दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः बुधवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

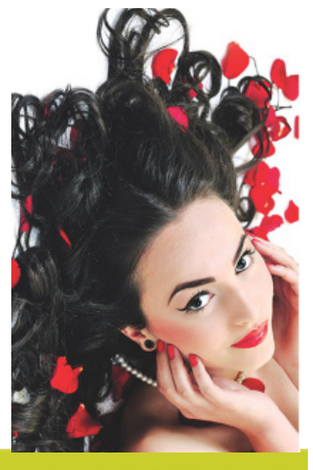

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 239 • पृष्ठ 8 • दुमका, बुधवार 30 अगस्त 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा

जम्मू-कश्मीर को फिर कब मिलेगा राज्य का दर्जा

नई दिल्ली/एजेसी।

सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 370 पर दाखिल याचिकाओं पर संविधान पीठ में 12वें दिन सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार पर बड़े सवाल उठाए. सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा कि आखिर किस तरह अनुच्छेद-367 में संशोधन कर जम्मू-कश्मीर का स्पेशल स्टेटस हटाया जा सकता है... क्या जम्मू-कश्मीर राज्य की सहमति जरूरी नहीं थी? जब दूसरा पक्ष (जम्मू-कश्मीर विधानसभा) मौजूद नहीं था, तब सहमति कैसे मिली! क्या अनुच्छेद-370 को हटाने के लिए एक तरीके से अनुच्छेद-370 का इस्तेमाल किया जा सकता है...?

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जवाब में केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि चूंकि विधानसभा नहीं थी, तो राज्यपाल ही इसके लिए प्राधिकरण हुए. स्पष्टीकरण यह है कि यह केवल संविधान सभा शब्द को विधानसभा के साथ प्रतिस्थापित करता है. जम्मू-कश्मीर के लोग अब देश के किसी भी अन्य नागरिक के बराबर अधिकारों का आनंद ले रहे हैं. अनुच्छेद-370 का प्रावधान जम्मू-कश्मीर को भारत के साथ उचित एकीकरण की अनुमति नहीं देता था.₹

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अनुच्छेद-370 का प्रावधान हटने से मनोवैज्ञानिक असमानता दूर हो गई है, एकता लाने के किसी भी कदम का स्वागत किया जाना चाहिए. संशोधन संसद की इच्छा के माध्यम से व्यक्त की गई लोगों की इच्छा है. संविधान सभा बिना किसी सिफारिश के भंग कर दी जाती है, तो आवश्यकता की वह शक्ति चली जाती है, क्योंकि प्रावधान समाप्त होने के परिणामस्वरूप मुख्य प्रावधान निष्क्रिय नहीं हो सकता है. राष्ट्रपति को उनकी अपनी पसंद पर छोड़ दिया गया.

सीजेआई ने इस पर सवाल किया, आप कह रहे हैं कि ऐसे अन्य प्रावधानों का मतलब अनुच्छेद 367 है? अनुच्छेद 370(1) अन्य प्रावधानों को संदर्भित करता है. लेकिन क्या आप अनुच्छेद 367 का उपयोग कर सकते हैं और अनुच्छेद 367 में संशोधन कर सकते हैं और अनुच्छेद 370 में बदलाव ला सकते हैं. यह 370(1) का उपयोग करते समय) (घ)...तो क्या आप धारा 370 नहीं बदल रहे? जबकि 370(1)(डी) का उद्देश्य संविधान के अन्य प्रावधानों में संशोधन करना है और इसलिए क्या आप इसका उपयोग अनुच्छेद-370 में संशोधन करने के लिए कर सकते हैं?

सीजेआई ने कहा कि यह मामले का मूल है. इसमें स्पष्टता की आवश्यकता है. दूसरे पक्ष ने बार-बार इसे उठाया. सालिसिटर जनरल ने कहा, ₹मैं जवाब दूंगा, लेकिन दूसरा पक्ष मुझे डिरेल करने की ना करे.

2019 के बाद हुई डर भय की खत्मा अब निश्चिंत होकर जी रहे हैं लोग

मैंने अपना कर्तव्य निभाया अब जनता अपनी कर्तव्य निभाएं : हेमंत सोरेन

गिरिडीह/सर्वेश तिवारी।

राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि 2019 के पहले झारखंड के लोग डर के साये में जी रहे थे, लेकिन हमारी सरकार आने के साथ झारखंड में लोग अमन चैन से रह रहे हैं।

उन्होंने डुमरी उपचुनाव को लेकर मंगलवार को डुमरी प्रखंड के उत्तराखण्ड स्थित नागाबाद में आईएनडीआईए गठबंधन की झामुमो प्रत्याशी बेबी देवी के पक्ष में चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए उक्त बातें कही। मुख्य मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद देश में महंगाई बढ़ी है।कहा कि हमारी सरकार पिछड़ों को 27 प्रतिशत देने एवं 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू करना चाहती है लेकिन विपक्ष अड़ंगा लगा देती है। सीएम ने कहा कि राज्य की बेटियों की पढ़ाई का सारा खर्च सरकार उठाएगी,बेटियों को चाहे इंजीनियर बनना हो या फिर डाक्टर बनना हो अब पैसे उसकी पढाई में रूकावट नहीं बनेगी, क्योंकि सरकार बेटियों की पढ़ाई की सारा खर्च उठाएगी।कहा कि सरकार 50 बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेजी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैनें दिवंगत जगरनाथ महतो की पत्नी को मंत्री बना कर अपना कर्तव्य निभा दिया है और अब आप मतदाताओं की बारी है इसलिए डुमरी विधानसभा के एक एक मतदाता बेबी देवी को वोट देकर दिवंगत जगरनाथ महतो को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विपक्ष को चोट दें।वहीं मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि ओवैसी की पार्टी वोट कटवा पार्टी है और उसके उम्मीदवार को चार हजार वोट भी नहीं मिलने वाला है। सभा को मंत्री सत्यानंद भोक्ता, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, मंत्री सह उम्मीदवार बेबी देवी, विधायक इरफान अंसारी, विधायक डा सरफराज अहमद,विधायक बिनोद सिंह, विधायक सुदिव्य कुमार सोनू,विधायक जयमंगल सिंह,पूर्व विधायक लालचंद महतो आदि ने भी संबोधित किया।सभा की अध्यक्षता झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो एवं संचालन बरकत अली ने किया।

पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच फोन पर बात, जी 20 में आएंगे सर्गेई लावरोव

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर बात हुई। फोन पर हुई बात के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के कई मुद्दों पर बात की और इनकी प्रगति की समीक्षा भी की। पीएमओ के मुताबिक, टेलीफोन पर हुई इस बातचीत के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने 9–10 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले जी–20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने में असमर्थता व्यक्त की और प्रधानमंत्री को बताया कि इस बैठक में रूस का प्रतिनिधित्व रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव करेंगे। रूस के इस निर्णय का सम्मान करते हुए प्रधानमंत्री ने भारत की जी–20 अध्यक्षता के तहत सभी पहलों के लिए रूस के निरंतर समर्थन के लिए राष्ट्रपति पुतिन को धन्यवाद दिया। पीएमओ के मुताबिक, दोनों नेताओं ने संपर्क में बने रहने पर सहमति जताई।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
66,384.78–299.48 (0.45%)
निफ्टी
19,672.35–72.65 (0.37%)

56 दिन में 1,56,90,898 श्रद्धालुओं ने किए विश्वनाथ के दर्शन

वाराणसी/एजेंसी। श्री काशी विश्वनाथ धाम नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सावन माह के 56 दिन में श्री काशी विश्वनाथ धाम में 1 करोड़ 56 लाख 90 हज़ार आठ सौ 98 लोगो ने काशी पुराधिपति के चौखट पर हाजरी लगाई। मंगला आरती के बाद शुरू हुए बाबा के दर्शन की अटूट कतार स्वर्णमंडित गर्भगृह तक अनवरत चलती रही।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने श्रावण माह में तीन बार श्री काशी विश्वनाथ धाम आकर श्रद्धालुओं के लिए सुगम व्यवस्था और सुरक्षा का इंतज़ाम का स्वयं जायजा लिया।

मजदूरी की राशि का बंदरबांट करने का आरोप

उपायुक्त को आवेदन देकर की कार्रवाई की मांग

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका:प्रशासन के लाख कोशिश के बाबजूद रामगढ़ प्रखंड में प्रधानमंत्री आवास निर्माण में अनियमितता रुकने का नाम नहीं ले रही है।आए दिन प्रधानमंत्री आवास योजना में मनरेगा के तहत मिलने वाली राशि को बिचौलिया तथा संबंधित कर्मियों के द्वारा लाभूक को जानकारी दिए बगैर अवैध ढंग से निकाल लिया जाता है। ताज़ा मामला रामगढ़ प्रखंड के सुसनियां पंचायत का है। यहां के दर्जनों लाभूको ने पंचायत सचिव, बिचौलिया, स्वंय सेवक , रोजगार सेवक तथा मुखिया के मिली भगत से प्रधानमंत्री आवास में मनरेगा के तहत मिलने वाली लाखों रुपए मजदूरी की राशि को दूसरे मजदूर के खाते में अवैध रूप से डालकर निकासी कर लेने की शिकायत

दुमका के उपायुक्त ए. दोड्डे से की है। शिकायत करने वालो में कांसाचापड गांव के बेनेडिट मुर्मू आवास आई डी संख्या 127993602, धोधमा की बाहा हेमब्रम आई डी संख्या 127236368 ,बड़-का मुरमू 131228659, प्रधान मरांडी 147633828, डेतमय मरांडी 126652909, कुसमाहा गांव की रीना देवी, आई डी संख्या 127866756 ,कटरा देवी 128017884, सावित्री देवी 127867338, तथा कुसमाहा गांव की ही कांति देवी ने उपरोक्त सभी लोगों पर अवैध रूप से राशि निकासी कर लेने का आरोप लगाया है। सभी लाभूको ने बताया कि उनलोगो के द्वारा स्वयं आवास का निर्माण किया गया है। बाबजूद मजदूरी की राशि दूसरे गांव के मजदूरों के खाते में डालकर बंदरबांट कर लिया गया है। बता दें कि सरकार का स्पष्ट आदेश है की आवास निर्माण में मनरेगा के तहत मिलने वाली राशि को लाभूक या उसके परिजनों के खाते में ही डाला जाय। किसी भी हाल में दूसरे के खाते में मजदूरी की राशि नहीं भेजी जाए। इसके बाबजूद सरकारी आदेश को दरकिनार करते हुए सरकारी राशि की अवैध निकासी हो रही है। मालुम हो की सरकार द्वारा मनरेगा के तहत प्रत्येक आवास में 90 मजदूर की मजदूरी का भुगतान किया जाना है। वर्तमान में मनरेगा के तहत 255 रुपए प्रति मजदुर के हिसाब से देखा जाए तो एक आवास में 22950/ रुपए मजदूरी की राशि होती है। देखना दिलचस्प होगा कि पीड़ितों द्वारा उपायुक्त को दिए गए आवेदन की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई होती है या फिर लीपापोती कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। बीड-ीओ कमलेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा सुसनियां पंचायत में आवास निर्माण में मजदूरी की राशि अवैध ढंग से निकाल लेने की बात संज्ञान में आई है। जांच मे जो भी दोषी पाए जाएंगे उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाताओं के घर जाकर किया उनका सत्यापन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखण्ड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार द्वारा दुमका विधान सभा क्षेत्र के नगर परिषद क्षेत्र अन्तर्गत मतदान केन्द्र संख्या - 33 के मतदाताओं का सत्यापन किया गया । सत्यापन के क्रम में राजेश बाजपेयी, अनुप बाजपेयी, गौतम कुमार, शचामा देवी सहित कई मतदाताओं के घर जाकर उनका सत्यापन किया गया तथा मतदाताओं से बातचीत भी किया गया। बीएलओ रजिस्टर, घरो में लगे स्टीकर, मतदाताओं को दिया गया करेक्सन स्लीप आदि का भी निरीक्षण किया गया, जो सही पाया गया। विदित है कि 21 जुलाई से 21 अगस्त तक बीएलओ द्वारा हाउस टू हाउस सर्वे कार्य किया गया है । प्राप्त निदेश के अनुसार बीएलओ द्वारा किये गये कार्यो का पन्ना वेरिफिकेशन भी बीएलओ पर्यवेक्षक, एईआरओ,

ईआरओ आदि द्वारा किया गया है। सत्यापन के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने यह निदेश दिया कि 100 प्रतिशत मतदाताओं का सत्यापन करना अनिवार्य है तथा उसे बीएलओ एप्प के माध्यम से ऑनलाईन भी करना अनिवार्य है। काफी सारा आवेदन बीएलओ को प्राप्त हुआ है परन्तु उसका अभीतक ऑनलाईन नहीं हुआ है । जिसके लिए प्रखण्ड में कैम्प लगाकर ऑनलाईन करने का निदेश दिया गया है।मतदाता सत्यापन के दौरान उप विकास आयुक्त, दुमका, प्रशिक्षु आई०ए०एस० , सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी - सह - प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका, बी०एल०ओ० पर्यवेक्षक आदि उपस्थित थे ।

संक्षिप्त समाचार

35 हजार श्रद्धालुओं ने किया बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 29 अगस्त को 35355 श्रद्धालुओं ने बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण किया।शीघ्र दर्शनम से 686 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया है।शीघ्र दर्शनम से 2,05,800रुपये प्राप्त हुआ।दान पेटी से 89150 रुपये,गोलक से 29340 रुपये अन्य स्त्रोत से 2768 रुपये प्राप्त हुए। हुए।चांदी का सिक्का 10 ग्राम 1 पीस बिका है ।

30 अगस्त को शिवगंगा में होगा महाआरती

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राजकीय श्रावणी मेला दिन बुधवार 30 अगस्त को शिवगंगा में भव्य महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। महाआरती को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शिवगंगा के चारों तरफ साफ-सफाई के साथ लाईटिंग की पूरी व्यवस्था की गई है। रूट लाइन के आस पास साज-सज्जा का कार्य किया जा रहा है।

सर्किट हाउस में हुई भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा की बैठक

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सर्किट हाउस में बीजेपी प्रदेश महिला मोर्चा का प्रमंडलीय बैठक हुई ।राष्ट्रीय प्रवास योजना के तहत उक्त प्रोग्राम मे सभी जिला मे राष्ट्रीय महिला मोर्चा के पदाधिकारी झारखंड के सभी जिला मे 2 दिवसीय प्रवास हेतु आयेंगे ।राष्ट्रीय पदाधिकारी को जिला के विभिन्न कार्यक्रम मे भाग लेना है ।कार्यक्रम का शुरुआत धार्मिक स्थल का भ्रमण एवम मंदिर मे पूजा करके करना है। जिला के पदाधिकारी के साथ बैठक,जी 20के बारे बताना , मिलेटे के बारे बताना ,बनाना खिलाना, आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका सहिया, के साथ बैठक नए मतदाता के साथ मिलना आदि शामिल है ।उक्त कार्यक्रम में पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी ,प्रदेश अध्यक्ष आरती कुजूर, प्रदेश उपाध्यक्ष रेणुका मुर्मू ,प्रदेश उपाध्यक्ष अमिता रक्षित ,प्रदे-श कार्य समिति सदस्य लक्ष्मी सिंह , सोनी हेंब्रम , जिला अध्यक्ष परितोष सोरेन, जिला परिषद सदस्य फूलकुमारी देवी, जिला अध्यक्ष नीतू झा ,गोड्डा जिला अध्यक्ष डोली गुप्ता ,साहिबगंज जिला अध्यक्ष रमिता तिवारी, देवघर जिला अध्यक्ष बबली सिंह, इंदु सिन्हा ,उषा रानी दास, मोनिका दत्ता ,चाइना मंडल, मधु देवी, स्वेता श्रीवास्तव ,मुन्नी मंडल ,राखी शर्मा ,सावित्री सिंह, मंजू दास, सफा घोष ,संध्या कुमारी, अलका सोनी, निशा सिंह आदि शामिल थे।

उपायुक्त ने की जिला खाद्य आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में खाद्य आपूर्ति विभाग से संबंधित समीक्षा बैठक की गई। बैठक में उपायुक्त द्वारा विभिन्न एजेंडों पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान उपायुक्त ने राशन कार्ड धारकों की संख्या, पेट्रोल सब्सिडी सब्सिडी, सोना सोबरन धोती साड़ी योजना, आधार सीडिंग, एनएफएसए, ग्रीन कार्ड, आदिम जनजाति परिवार कल्याण योजना, चीनी, नमक वितरण इत्यादि का प्रखंडवार समीक्षा करते हुए शत प्रतिशत योग्य लाभुकों को लाभ प्रदान

करने के निर्देश दिए। जिला आपूर्ति पदाधिकारी बंका राम द्वारा बताया गया कि दुमका जिला अंतर्गत कुल 1039 जन वितरण प्रणाली दुकानें ऑनलाइन संचालित हैं। दुमका जिला अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कुल-215587 पूर्ववित्ता प्राप्त गृहस्थ परिवारों को खाद्यान्न, नमक, किरासन तेल एवं अंत्योदय अंतर्गत 48173 परिवारों को खाद्यान्न, नमक, किरासन तेल एवं चीनी उपलब्ध कराया जाता है। सफेद कार्ड अंतर्गत कुल-10069 परिवार हैं जिन्हे किरासन तेल उपलब्ध कराया जाता है। दुमका जिला अंतर्गत कुल-8997 आदिम जनजाति परिवारों को पीटीजी डाकिया योजना के तहत खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।मुख्यमंत्री दाल-भात योजना के तहत दुमका जिला में कुल-17 दाल-भात केन्द्र संचालित हैं।

उपायुक्त ने शत प्रतिशत आधार सीडिंग करने का निर्देश दिया। डाकिया योजना से आच्छादित आदिम जनजाति लाभुकों को अगस्त माह का लगभग 80% खाद्यान्न वितरण कर दिया गया, शत प्रतिशत वितरण करने का निर्देश दिया। जल्द से जल्द आवंटित चीनी वितरण करने के दिए निर्देश।बैठक में सभी प्रखंड के एमओ एवं जिला आपूर्ति विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया गया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संत जेवियर कॉलेज महा-रो में नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शम्स तबरेज खान स्पोर्ट्स डायरेक्टर सिदो कान्हू मुर्मू यूनिवर्सिटी दुमका को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। संत जेवियर्स कॉलेज के प्रिंसिपल फादर स्टीफन राज और फादर माइकल मौजूद थे ।स्पोर्ट डे के मौके पर स्वीटी कुमारी और साबरे आलम ने मेजर ध्यानचंद के ऊपर अपने बातों को रखा ।एसटी खान ने छात्रों से स्पोर्ट्स एक्टिविटी को लेकर ढेर सारी बातें की ।उन्होंने बताया कि बहुत जल्द कैंप शुरू होगा। जिसमें सेंट जेवियर्स कॉलेज

के छात्र भी भाग ले ले सकेंगे ।और साथ ही साथ संत जेवियर कॉलेज के हैंडबॉल में नेशनल खेलने वाले लड़कियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।वंही रिया रिचा सोरेन,इलीशा हांसदा ,शांतिप्रिया को मुख्य अतिथि एसटी खान ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

एमजी कॉलेज में फुटबॉल खेल का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मयूराक्षी ग्रामीण महाविद्यालय रानीश्वर में प्राचार्य डॉ अब्दुल रईस खान की अध्यक्षता में मेजर ध्यानचंद ध्यानचंद के जन्मदिन के अवसर पर पी टी आई चन्दन घोष द्वा-रा फुटबॉल खेल का आयोजन करवाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य

डॉ अब्दुल रईस खान ने राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभ कामना दी साथ ही उन्होंने कहा हमे अपने जीवन में खेल के प्रति भी रूचि रखनी चाहिए। साथ ही खेल से मनुष्य का बौद्धिक शारीरिक विकास होता है ।इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ।इसके साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 3 की ओर से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा, क्षेत्रीय निदेशक के निर्देशानुसार इकाई 3 कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रूपम कुमारी ने सर्वप्रथम फिट इंडिया पोर्टल में इकाई 3 का रजिस्ट्रेशन कराया ।साथ ही डॉ रूपम कुमारी के निर्देशन में स्वयंसेवक स्वयंसेविका ने अपने गोद लिए गाँव रानीश्वर बा×गतिपारा में गाँव के बच्चों के बीच दौड़ का आयोजन कराया। साथ ही इकाई 3 स्वयंसेविका कोयल गोराई ने विजेता बच्चों ×को पुरस्कार वितरण भी किया।सभी स्वयंसेवक स्वयंसेविका आदि ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय सभी शिक्षकेतर कर्मचारी प्रोफेसर (बिभाष चंद्र झा, काजल मंडल, नन्दलाल मांझी,)शचामल घोष, निमाई लेट, शांति राम मंडल, प्रवीर आदि शामिल थे।

विशेष शिविर में 1 लाख 40 हज़ार 34 रूपये का राजस्व संग्रह

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पुर्णिया गांव में मंगलवार को बिजली बिल वसूली हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया।शिविर के दौरान विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बासुकीनाथ के सहायक अभियंता नितेश कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान कुल 1 लाख 40 हज़ार 34 रूपये राजस्व की संग्रह किया गया है। मौके पर विद्युत विभाग के कर्मी परमेश्वर कुमार सिंह कुन्दन कुमार, लाईन मैन उपेन्द्र महतो,बिलखा मिस्त्री सहित अन्य मौजूद थे।

मनोविज्ञान विभाग में सम्पन्न हुई पीएचडी शोधर्थियों की डीआरसी

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हू मुर्मू वि वि प्रशासन के निर्देशानुसार गुरुवार को मनोविज्ञान विषय से पीएचडी कोर्सवर्क परीक्षा उतीर्ण कर चुके छात्र-छात्राओं का डिपार्टमेंट रिसर्च काउंसिल की बैठक स्नातकोतर मनोविज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार शर्मा के अध्यक्षता में आयोजित की गयी. बैठक में सामाजिक विज्ञान के संकायाध्यक्ष डॉ. जयनेंद्र यादव सहित विभाग के प्राध्यापक डॉ. स्वतंत्रत सिंह, डॉ. कलानंद ठाकुर, डॉ. पुष्पलता एवं सिदम सिंह मुंडा आदि उपस्थित रहे. आज के डीआरसी बैठक में मनोविज्ञान विषय से पीएचडी कोर्सवर्क परीक्षा उतीर्ण कर चुके कुल 14 छात्र-छात्राओं ने शोध प्रस्ताव डीआरसी मेंबर्स के समक्ष शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किए. शोधर्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए शोध प्रस्ताव में थोडा-बहुत सुधार करते हुए डीआरसी द्वारा सभी शोध प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया. शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करने वाले शोधार्थी में दसरथ महतो, दिव्या कुमारी, हिमांशु कुमार सिंह, ज्योति निर्मल टुडू, शिम्पा कुमारी, हिना परवीन, मनोज कुमार मलिक, रश्मि कुमारी, पूजा प्रियदर्शनी, जोनस मुर्मू, मुनि हांसदा, आदिती करबा, मनोज कुमार भगत एवं अनुबला ठाकुर थे.

प्रखंड सभागार में प्रखंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)/झारखंड देखो।

प्रखंड स्तरीय समन्वय समिति की एक बैठक मंगलवार को प्रखंड के सभागार भवन में बीडीओ संजय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक में मनरेगा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल स्वच्छता, अपूर्ति कृषि, पंचायती राज, विद्युत, बैंकों के शाखा प्रबंधक सहित बाल विकास विभागों के विभागाध्यक्षों से समीक्षा की गई. समीक्षा के क्रम में विद्युत विहीन विद्यालय, आँगन बाड़ी केंद्र एवं सभी मतदान केंद्रों में विद्युत कनेक्शन से जोड़ने के लिए विद्युत विभाग के कनीय अभियंता को निर्देश दिए और उक्त विभागों के अधिकारियों को सूची समर्पित करने का निर्देश दिए वहीं उन्होंने नीति आयोग के विभिन्न क्ल्रूइ३ङ्ग१२ में निर्धारित समयावधि के अन्दर संचालित योजनाएं जैसे स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास तथा आधारभूत संरचना से संबंधित कार्य को समेकित प्रयास कर सभी विभागों के विभागाध्यक्ष को आपस में प्रभावी ढंग से समन्वयित कर कार्य करने का सुझाव दिये. उन्होंने कहा कि आकांक्षी प्र-खंड होने के कारण विकास की गति को तेज़ करने के लिए सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में सभी विभागों के क्ल्रूइ३ङ्ग१२ में संबंधित विभागाध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध लोगों की उपस्थिति में प्रखंड लिट्टीपाड़ा परिसर में ₹ चिन्तन शिविर ₹ का आयोजन किया जायगा जिसमें सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी. इस बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड अपूर्ति सह प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी पद्म किशोर महतो, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रकाश मंडल, विद्यानंद मुर्मू, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी केसी दास ,महिला पर्यवेक्षिका चंदना सिंह, प्रमिला प्रमिला हेम्ब्रम सहित अन्य कई विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सर्पदंश से बच्ची की मौत

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। प्रखंड के डांगापाड़ा में बीते सोमवार शाम सर्पदंश से चार वर्षीया बच्ची सालोमी सोरेन की मृत्यु हो गई। शिबू सोरेन की बच्ची अपने घर निकट सहेलियों के साथ खेल रही थी। इसी बीच बच्ची ने एक छोटी सी गढ्ढा देखकर हाथ भर दिया। जहाँ गढ्ढा में रहे सांप ने डस लिया। बच्ची के परिवार के सदस्य आननफानन में इलाज के लिए अमड़ापाड़ा ले गया। जहाँ बच्ची की मौत हो गई। सांप काटने से 1 घंटे के अंदर वैक्सीन लगाना आवशयक डॉक्टर सुनील सिंह हिरणपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुनील सिंह कहते हैं, विषैलें सांप के काटे जाने से 1 घंटे के अंदर संबंधित व्यक्ति को अस्पताल में लाना अनिवार्य है। इन्होंने जानकारी देते हुए कहा की सर्पदंश के बाद ग्रामीण क्षेत्र के लोग झारखंड में लग जाते है। जिसके कारण प्रीत व्यक्ति की अकाल मौत हो जाती है। डॉ सुनील सिंह ने कहा स्वास्थ्य केंद्र में एंटी स्नेक वैक्सीन उपलब्ध है, सांप कांटे जाने पर पीड़ित व्यक्ति को काटे जाने की 1 घंटे के अंदर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराना जरूरी है। सर्वप्रथम में बच्ची की शरीर में जल्द ही जहर फैल जाता है। क्योंकि बच्ची की धड़कन काफी तेज रहता है वहीं युवक और वयस्क व्यक्ति का डर से फैलता है इसलिए सांप काटे जाने पर इलाज के लिए तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना आवशयक है। जिससे की पीड़ित व्यक्ति को बचाया जा सके। विषैला सांप काटने से झारखंड का कोई असर नहीं पड़ता और ना ही इसके चक्कर में पढ़ना चाहिए।

घर-घर सत्यापन कार्य की समीक्षा

पाकुड़िया (पाकुड़)/झारखंड देखो। प्रखण्ड मुख्यालय पाकुड़िया स्थित सभा कक्ष में मंगलवार को बीडीओ मनोज कुमार की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 अंतर्गत घर-घर सत्यापन कार्य की समीक्षा किया गया। उपस्थित सभी बीएलओ को बीएलओ एप के माध्यम से हाउस टू हाउस सर्वे ऑनलाइन करने, न्यूनतम मूलभूत सुविधाएं अपडेट करने, प्रपत्र 6 सभी मतदान केंद्रों में कम से कम 10 ऑनलाइन करने का बीडीओ कुमार ने कड़ा निदेश दिया गया। ईएलसी के मास्टर ट्रेनर सह कनीय अभियंता लालू रविदास ने सभी बीएलओ को चुनाव पाठशाला का प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी त्रिदीप कुमार शील, बीएलओ पर्यवेक्षक प्रेम प्रकाश टुडू एवं सभी बीएलओ उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन ने कुचला व्यक्ति को

पाकुड़/झारखंड देखो। मुफस्सिल थाना क्षेत्र बिक्रमपुर कोटालपोखर मैन रोड पर एक अज्ञात वाहन ने खेत से लोट रहे एक व्यक्ति को कुचल कर फरार हो गया,घटना स्थल पर ही घायल व्यक्ति ने दम तोड दिया,मृतक जालिम शेख,पिता मेमुद्धिन शेख, ग्राम नवरत्मपुर,मुफस्सिल थाना क्षेत्र का रहने वाला है,जालिम शेख अपने मवेशियों के लिए घास काट साइकिल से लोट रहा था सड़क पार करने के दरम्यान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सामने से धक्का मार दिया और फरार हो गया,धक्का लगने की वजह से जालिम शेख गंभीर रूप से घायल हो गया और घटना स्थल पर ही जालिम शेख की मृत्यु हो गई,इस घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया और उचित न्याय एवं मुआवजा की मांग करने लगे, घटना की जानकारी पाकुड़ जिला प्रशासन एवं मुफस्सिल थाना पुलिस को लगते ही तुरंत अंचल निरीक्षक देवकांत सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर भेजा गया, अंचल निरीक्षक देवकांत सिंह ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर जाम क्लियर करवाया और जिला प्रशासन के तरफ से हिट एंड रन केस की तरफ से 2 लाख, आपदा पर 1लाख और तत्काल भरण पोषण हेतु 20000 रुपेयों की मदद की घोषणा कर जरूरी कागजाद पेश करने को कहा गया,मृतक जालिम शेख घर का एक मात्र कमाने वाला सक्स था जो अपने पीछे पांच बच्चों को छोड़ गया,एक पहाड़ सा टूट पड़ा परिवार के उपर जिनका इस घटना के बाद रो रो कर बुरा हाल हुआ जा रहा था।

डीएवी में मेजर ध्यान चंद की जयंती मनाई गई

पाकुड़/झारखंड देखो। डीएवी पब्लिक स्कूल गोकुलपुर के प्रांगण में मंगलवार को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जन्म जयंती के उपलक्षय पर खेलकूद प्रतियोगिता एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों द्वारा शहर के अंबेडकर चौक से सिद्धू कान्हु पार्क तक एक जागरूकता रैली निकाली गई जिसका नेतृत्व विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक धर्मेन्द्र कुमार देव ने किया। इस रैली में बच्चों ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा लगाते हुए समाज में नारी उत्थान के प्रति एक संदेश दिया। वहीं विद्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला खेल अधिकारी राहुल कुमार, सम्मानीय अतिथि जिला ओलंपिक संघ पाकुड़, अध्यक्ष अलमान कुसुम, विशिष्ट अतिथि जिला एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष रणवीर सिंह एवं विद्यालय प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अतिथियों के सम्मान में विद्यालय के बच्चों द्वारा एक स्वागत गान गाया गया। तत्पश्चात इन अतिथियों द्वारा विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण का कार्य किया गया । कार्यक्रम की अगली कड़ी में इन अतिथियों द्वारा बैडमिंटन एवं क्रिकेट खिलाड़ियों को उत्साहित करते हुए बताया कि छात्रों के जीवन में जितना महत्व पढ़ाई का है उतना ही महत्व खेल का भी है। बच्चों को वर्चुअल खेलों से दूरी बनाकर शारीरिक खेल खेलने की सलाह दी गई।

बीडीओ ने प्रखंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक

संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को दिया जरूरी दिशा निर्देश

पाकुड़/झारखंड देखो।

मंगलवार को प्रखंड कार्यालय स्थित सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मनरेगा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल स्वच्छता, अपूर्ति, कृषि,पंचायती राज, जेएसएलपीएस, विद्युत, बैंकों के शाखा प्रबंधक सहित बाल विकास विभागों के विभागाध्यक्षों से समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में विद्युत विहीन विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र एवं सभी मतदान केंद्रों में विद्युत कनेक्शन से जोड़ने के लिए विद्युत विभाग के कनीय अभियंता को जरुरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लिट्टीपाड़ा प्रखंड आकांक्षी प्र-खंड कार्यक्रम के अंतर्गत आता हैं। नीति आयोग के विभिन्न इंडिकेटर में निर्धारित समयावधि के अन्दर संचालित योजनाएं जैसे स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास तथा आधारभूत संरचना से संबंधित कार्य को समेकित प्रयास कर सभी विभागों के विभागाध्यक्ष को आपस में प्रभावी ढंग से समन्वयित कर कार्य करने का सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि आकांक्षी प्रखंड होने के कारण विकास की गति को तेज़ करने के लिए सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में सभी विभागों के इंडिकेटर में संबंधित विभागाध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध लोगों की उपस्थिति में प्रखंड लिट्टीपाड़ा परिसर में चिन्तन शिविर का आयोजन किया जायगा जिसमें सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। इस बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड अपूर्ति सह प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी पद्म किशोर महतो, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रकाश मंडल, विद्यानंद मुर्मू, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी केसी दास ,महिला पर्यवेक्षिका चंदना सिंह, प्रमिला प्रमिला हेम्ब्रम, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मानिक चंद्र दास सहित अन्य कई विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

जिला खेल विभाग पाकुड़ एवं पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा विजय उत्सव मनाया

पाकुड़/झारखंड देखो। जिला स्तर स्टेडियम बैंक कॉलोनी पाकुड़ में जिला खेल विभाग पाकुड़ एवं पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा विजय उत्सव मनाया गया। उत्सव में अतिथि के रूप मैं जिला खेल पदाधिकारी राहुल कुमार, पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष अम्लान कुसुम सिन्हा उर्फ (बुल्टी) तथा पाकुड़ जिला ओलंपिक सघं अध्यक्ष अर्धेन्दू शेखर गांगुली उपस्थित थे। भारत के जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड जीता। वे ऐसे करने वाले पहले भारतीय बने हैं । इस प्रतियोगिता के इतिहास में भारत ने ओवरऑल तीसरा मेडल जीता है । हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट मैं आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रविवार की रात को अपने दूसरे प्रयास में 88.17 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड जीता। विजेता खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक जीतने पर जिला खेल विभाग एवं जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा खिलाड़ियों के बीच मिठाई बांटी गई और भारत माता की जय वंदे मातरम का नारा लगाया गया। साथ ही साथ आतिशबाजी कर विजय उत्सव मनाया गया। उक्त कार्यक्रम में पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ सचिव रणवीर सिंह, एथलेटिक्स संघ के उपाध्यक्ष जयदेव कुमार, जिला ओलंपिक संघ के संघ संयुक्त सचिव पंकज अग्रवाल, शिक्षक दिलीप कुमार राय, शिक्षक आनंद कुमार भगत, प्रवीण कुमार, वुशु प्रशिक्षक नारायण चंद्र रॉय, एथलेटिक्स प्रशिक्षक राजेश कॉल, फुटबॉल प्रशिक्षक रेखा कुमारी, भैरव चुंडा मुर्मू, अज्जू मंडल आदि संघ के खिलाड़ी एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

एसडीओ ने मतदाताओं से मिलकर मतदान को लेकर किया जागरूक

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पण्डित ने मंगलवार को मंझलाडीह में जाकर मतदाताओं से वार्ता कर जागरूक किया। बीते लोकसभा व विधानसभा चुनाव में बूथ संख्या 114 प्राथमिक विद्यालय मंझलाडीह में 50 प्रतिशत से भी कम मतदान हुआ था। इसको लेकर एसडीओ ने बूथ में पहुंचकर बीएलओ से आवशयक जानकारी लिया। इसके बाद मतदाताओं से काफी देर तक वार्ता किया। जहाँ उपस्थित लोगों ने भी अपनी अपनी बातें रखी। एसडीओ ने उपस्थित मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि सभी मतदाता मतदान में भाग ले। यह अति आवशयक है। यह हमारा कर्तव्य व अधिकार भी है। छूटे हुए सुयोग्य लोगो को मतदाता सूची से जोड़े। इसको लेकर बीएलओ कार्य कर रही है। काफी देर तक हुई वार्ता के बाद उपस्थित लोगों ने आश्वस्त किया कि आगामी चुनावो में इस मतदान केंद्र में भारी मतदान की जाएगी। वही एसडीओ ने बीएलओ व पर्यवेक्षकों को भी आवशयक दिशा निर्देश दिया ।इस अवसर पर बीपीआरओ रामकुमार साहा , कनीय अभियंता सह पर्यवेक्षक परेश कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

एक दिवसीय महिला एवं पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

पाकुड़/झारखंड देखो। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर रानी ज्योतिर्मयी स्टेडियम में मंगलवार को एक दिवसीय महिला एवं पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। खेल का उद्घाटन बतौर चीफ गेस्ट अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजित कुमार बिमल, सांसद प्रतिनिधि सह झामुमों जिला अध्यक्ष शयाम यादव, जिला खेलकूद पदाधिकारी राहुल कुमार, जिला एथेलेटिक्स संघ के अध्यक्ष सह समाजसेवी अम्लान कुसुम सिन्हा, जिला एथेलेटिक्स संघ के जिला सचिव रणवीर सिंह, कबड्डी संघ के जवाहर सिंह, मीडिया प्रभारी प्रमोद कुमार नगालिया एवं झामुमों प्रखंड अध्यक्ष मुस्लेउद्दीन सेख ने संयुक्त रूप से बजरंगबली की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर और नारियल फोड़कर किया। सर्वप्रथम अतिथियों ने बारी बारी से खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया। खेल का उद्घाटन मैच बालक वर्ग में पाकुड डिस्ट्रिक्ट कबड्डी एसोसिएशन एवं राज प्लस टू जूनियर के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। बतौर अतिथि एसडीपीओ अजित कुमार बिमल ने अपने संबोधन में कहा कि कबड्डी शरीर को मजबूत और स्वस्थ बनाता है। लगातार कबड्डी कबड्डी बोलने से आपके फेफड़े अधिक मजबूत और स्वस्थ हो जाते हैं। इससे इंटरनल ऑर्गन बेहतर होता है। इन सबके अलावा इसमें आप में सहनशक्ति के साथ-साथ मांसपेशियों को मजबूती मिलती है।वहीं झामुमों जिला अध्यक्ष शयाम यादव ने कहा की खेल बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ आत्म सम्मान को पहचानने में भी मदद करता है। इसके अलावे खेलने से बच्चों में लीडरशिप की भावना जागती है जो उनके भविष्य के लिए बहुत ही जरूरी है। खेलने से थकान और डिप्रेशन को दूर करता है। पाकुड़ जैसे छोटे से जिले में कबड्डी खेल में 16-16 खिलाड़ियों की टीम भाग लेना वाकई कबड्डी आयोजकों के लिए गर्व की बात है। आयोजकों द्वारा खिलाड़ियों के पीछे काफी मेहनत की गई है,जिसका नतीजा है की इतने कम समय में खिलाड़ियों ने भाग लिया।वहीं रणवीर सिंह ने कहा कि खेल मैदान में पुरुष वर्ग से अधिक महिला वर्ग की टीम बढ़ चढ़कर खेल में भाग ले रही हैं,इससे पता चलता है कि पुरुष से अधिक महिला खिलाड़ी खेल को अधिक महत्व दे रहीं है।कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्थानीय खेल प्रेमियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

आप संगठन मंत्री दिनेश यादव पहुँचे देवघर

- **आम आदमी पार्टी सेवा भावना के साथ करती है राजनीति**

देवघर। सोमवार को आम आदमी पार्टी झारखंड के संगठन मंत्री दिनेश यादव देवघर पहुँचे । इस मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पगुच्छ देकर गर्मजोशी से उनका स्वागत किया गया । ज्ञात हो कि आम आदमी पार्टी की देवघर जिला इकाई की ओर से युवा नेता और पूर्व जिला संगठन मंत्री के नेतृत्व में सोमवारी के अवसर पर कावारिया बंधुओं का देवघर में स्वागत तथा सेवा , शिविर लगाकर कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा था जिसके समापन के उपलक्षय पर जिला के पदाधिकारीओ और कार्यकर्ताओं का होंसलावर्धन करने दिनेश यादव पहुँचे हुए थे। आज भी कावारिया बंधुयों का सेवा पूरे जोश , उमंग के साथ दर्शनिया स्थित सेवा शिविर में मिथिलेश कुमार के नेतृत्व में किया गया जहाँ फल, शरबत, पानी का वितरण किया गया, साथ ही कार्यकर्ताओं द्वारा थके हुए कावारिया बंधुओं का पैर दबा कर, जरूरतमंदों को मरहमपट्टी कर सेवा की गयी। जिससे कावारियों में खुशी देखी गयी। इस मौके पर दिनेश यादव ने पदाधिकारीओ और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी सेवा भावना के साथ राजनीति में आई है। इसका प्रदर्शन दिल्ली और पंजाब सरकार के कार्यों से भी हो रहा है, आम आदमी पार्टी हर जरूरतमंद मौकों पर अपने सेवा भावना को सिद्ध करेगी। साथ ही मिथिलेश कुमार जी ने कहा कि वे देवघर की जनता की सेवा को लेकर प्रतिबद्ध हैं, उन्होंने कहा कि अपना 22 साल देवघर की जनता की सेवा करते हुए बिताया है और आगे भी करते रहेंगे । इस मौके पर पूर्व जिला सचिव संजय जायसवाल , पूर्व गोड्डा जिला प्रभारी तथा जरमुंडी विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव , पूर्व सोशल मीडिया संयोजक मुन्ना यादव , पूर्व मोहनपुर प्रखंड अध्यक्ष सुमन यादव , भीम राणा , सहित दर्ज़नों पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मदर्स इंटरनेशनल एकेडमी में कला प्रतियोगिता का आयोजन

मधुपुर। मदर्स इंटरनेशनल एकेडमी में सोमवार को कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कला प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक अपनी भागीदारी निभाई। बालिका वर्ग में छात्राओं ने राखी निर्माण और थाली की सजावट में अपना कौशल दिखाया। इस दौरान कक्षा तृतीय से षष्ठ तक के सैकड़ो छात्रों ने बांस, मिट्टी, कागज और लक-ड़ी का एक से बढ़कर एक हस्तशिल्प निर्माण कर अपनी कलाकारी का जौहर दिखाया। कला प्रतियोगिता में पॉट पेंटिंग, कोलाज, ट्राइबल पेंटिंग, फोटो फ्रेम, पेंटिंग, चंद्रयान-3 की पेंटिंग, पशु पक्षी की मनमोहक मूर्ति आदि कई प्रकार की कलाओं को प्रदर्शित किया। विद्यालय की कला और सांस्कृतिक निर्देशिका दृष्टि गर्ग की देखरेख में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।मौके पर मदर्स इंटरनेशनल एकेडमी के निदेशक मनोज कुमार कलबलिया ने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्र-छात्राओं की बौद्धिक विकास के लिए अनिवार्य है।

मधुपुर शहर के शिवालयों में सावन की अंतिम सोमवारी पर भक्तों की उमड़ी भीड़

मधुपुर। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में सावन के अंतिम सोमवारी को लेकर शहर के विभिन्न शिवालयों में पूजा अर्चना को लेकर भक्तों की भीड़ उमड़ भीड़। सुबह से ही भक्तों ने भगवान शंकर को जलाभिषेक किया शहर के वाहेगुरु शिव मंदिर, गिरी शिव मंदिर, श्रीराम ठाकुरबाड़ी, चांदमारी शिव मंदिर,बेलपड़ा, खलासी मोहल्ला, बावन बीघा, हरलातांड़, काली पुटाउन, शेखपुरा, गड़िया, पिपरासोल मंदिर आदि शिवालयों में तीसरी सोमवारी को लेक-र उत्साह का नजारा देखने को मिला।अंतिम सोमवारी को लेकर भक्तों की भारी भीड़ देखी गई भक्तों ने भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना की शिवालयों में हर-हर महादेव उद्घोष से पूरा इलाका भक्तिमय बना हुआ है वहीं शिवालय के बाहर फूल बेलपत्र की कई दुकानें लगाई गई चारों ओर भक्ति का माहौल व्याप्त हो गया।

क्षेत्रीय उपनिदेशक ने मधुपुर क्षेत्र में अटल मोहल्ला क्लीनिक का किया औचक निरीक्षण

मधुपुर। क्षेत्रीय उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉक्टर अजय कुमार सिंह द्वारा मधुपुर शहरी क्षेत्र में स्थित अटल मोहल्ला क्लीनिक पुराना बस स्टैंड, चांदमारी, मछुवाटांड़ का औचक निरीक्षण किया। सभी संस्थानों पर चिकित्सक एवं अन्य पारा मेडिकल कर्मी उपस्थित मिले। उपस्थित चिकित्सा कर्मियों को निर्देशित किया की स्वास्थ्य संस्थान पर आने वाले सभी रोगियों का समुचित इलाज किया जाए ।आवशयकतानुसार उनको जांच किया जाए तथा दवा उपलब्ध कराया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जाए, जिससे कि अटल मोहल्ला क्लीनिक का ज्यादा से ज्यादा लोग लाभ ले पाए।निरीक्षण मे जिला शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक सुनील मणि त्रिपाठी साथ में उपस्थित रहें।

आयोजन से खिलाड़ियों में काफी उत्साह

पाकुड़/झारखंड देखो।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय (बैंक कालोनी) स्टेडियम एवं रानी ज्योतिर्मय स्टेडियम पाकुड़ में विभिन्न खेलों यथा तीरंदाज़ी, कबड्डी, रस्सा कसी (स्वदेशी खेल) एवं बैडमिंटन का किया गया आयोजन. राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पर्यटन कला संस्कृति खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड रांची के तत्वाधान में जिला खेल कार्यालय पाकुड़ द्वारा स्वदेशी खेल को बढ़ावा देने के उद्देशय से आज जिला स्तरीय स्टेडियम (बैंक कालोनी) पाकुड़ में तीरंदाज़ी का आयोजन किया गया। वही जिले के रानी ज्योतिर्मय स्टेडियम में कबड्डी, रस्सा कसी एवं बैडमिंटन का भी आयोजन किया गया। इस आयोजित खेल का उदघाटन जिला बीस सूत्री अध्यक्ष शयाम यादव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजित विमल, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार ने संयुक्त रुप से किया। सर्वप्रथम हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के अवसर पर उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर शत शत नमन किया गया। जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 245 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रत्येक खेलों में विजेता उप विजेता होने वाले टीम को मेडल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया जाएगा। खेल के आयोजन से खिलाड़ियों में काफी उत्साह देखा गया।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

अमन राज, माही सहाय, आदित्य तिवारी और रोशन मरांडी बने बैडमिंटन चैंपियन

प्रकाश कुमार, सचिन कुमार, शांति हांसदा बने शतरंज विजेता

मनीष भारद्वाज को टेबल टेनिस में दोहरा खिताब

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। चार दिनों से चल रहे अशोक कुमार सिंह मेमोरियल 14 वें जिला इंडोर खेल महोत्सव का आज समापन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संताल परगना आयुक्त लालचंद दादेल ने उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित किया एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए खेल आयोजनों को बच्चो के दिशा निर्देशन के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर मंच पर विशिष्ठ अतिथि माननीय विधायक नलिन सोरेन, विजय कुमार सिंह, अमिता रक्षित, जुगनू मिंज, बबलू सिंह, सौरभ तिवारी एवं अन्य अपस्थित थे।समापन समारोह का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन उमाशंकर चौबे ने किया।विभिन्न खेल आयोजनों के अंतिम परिणाम क्रमशः इस प्रकार हैं।बैडमिंटन की अंडर 13 लड़कों की प्रतियोगिता में रोशन राज मरांडी ने सार्थक जायसवाल को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया, जबकि डबल्स में जीडी बासकी और दिव्यांशु राज की जोड़ी उपविजेता रही रोशन राज एवं रॉकी टुडू की जोड़ी विजेता बनी। सीनियर ग्रुप डबल्स में डीआईजी सुदर्शन प्रसाद मंडल एवं राधे भालोठिया की जोड़ी विजेता बनी अंजनी शरण एवं थिओफिल मरांडी की जोड़ी को उपविजेता से संतोष करना पड़ा।अंडर 17 लड़कों के एकल स्पर्धा में आदित्य तिवारी विजेता घोषित हुए जबकि शुभाशीष नदी उपविजेता रहे। डबल्स स्पर्धा में सुभाषिश नंदी और विशाल चौधरी की जोड़ी ने आदित्य तिवारी और पल्लव राज को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया।लड़कियों के एकल मुकाबले में माही सहाय विजेता बनी उन्होंने रश्मि मुर्मू को हराकर खिताब जीता। लड़कियों के डबल्स में रश्मि मुर्मू और अनु हेंब्रम ने सौम्या सहाय और निशा की जोड़ी को हराकर जीत दर्ज की। पुरुषों के एकल मुकाबले में अमन राज ने उल्लास लायक को हराकर खिताब जीता पुरुषों के डबल्स में जॉन क्रिस्टोफर हासदा और अमित हेंब्रम की जोड़ी ने शुभाशीष नंदी और अमन राज की जोड़ी को हराकर विजेता बने।उदीयमान खिलाड़ी के रूप में प्रियम ,समीर हेंब्रम, प्रवीन, एवं अर्णव गोस्वामी को पुरस्कृत किया गया।बैडमिंटन टूर्नामेंट के संचालन में सचिव दीपक झा, राजीव कुमार सिंह, अभिषेक कुमार सिंह, सौरभ दास, आकाश मंडल, राधे भालोठिया, सुभोजित रक्षित ने महती भूमिका निभाई।

कराटे की प्रतिस्पर्धा में बालको के 18 वर्ष आयु वर्ग कुमिते में दिव्यांशु वर्मा को प्रथम स्थान, विवेक डब्लू हेंब्रम को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ, सीनियर बालक वर्ग में नंदलाल राय को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ जबकि मुन्ना टुडू द्वितीय तथा सुरेश कुमार टुडू को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ ।21 वर्ष से कम बालिकाओं के कुमिते प्रतिस्पर्धा में प्रियांशु कुमारी को प्रथम स्थान खुशी कुमारी को द्वितीय तथा मीना कुमारी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। सीनियर बालिका वर्ग में प्रिया प्रकाश को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ जबकि निशि कुमारी को विजेता घोषित किया गया। कराटे के संचालन की जिम्मेदारी जयराम शर्मा ,प्रदीप कुमार झा ,उदय शंकर भारती ,सृष्टि कुमारी एवं रत्नप्रिया कुमारी ने निर्वाह किया।डेडलिफ्ट 60 किलोग्राम वर्ग पुरुष प्रतिस्पर्धा में 120 किलो वजन उठाकर रवि कुमार प्रथम घोषित किये गये जबकि बाबूजी हासदा द्वितीय तथा बलिराम किस्कू तीसरे स्थान पर रहे, महिला सामान्य वर्ग में ललिता कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया लीना मुर्मू ने द्वितीय तथा एंजेल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पुरुषों के 60 किलो से ऊपर के वर्ग में मोहम्मद अहमद राजा को पहला स्थान प्राप्त हुआ मक्सोन मरांडी को दूसरा तथा केदारनाथ पाल को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। डेट लिफ्ट के संचालन में जयराम शर्मा ,नीरज कुमार नाग ,संजीव कुमार, मोहम्मद हैदर अली ने महती भूमिका निभाई।ताइक्वांडो के अंतिम परिणाम इस प्रकार है, बालिका वर्ग 48 से 54 किलो वर्ग में नीलम टुडू को प्रथम स्थान मिला लक्ष्मी प्रियदर्शनी को दूसरा एवं अनामिका सिन्हा को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। बालक वर्ग 55 से 61 किलोग्राम वर्ग में प्रथम पुरस्कार आकाश कुमार को द्वितीय पुरस्कार प्रकाश कुमार एवं तृतीय पुरस्कार नितिन वर्मा को दिया गया।ताइक्वांडो के संचालन में स्मिता आनंद ,ट्विंकल कुमारी एवं विनीता कुमारी का विशेष योगदान रहा।टेबल टेनिस के पुरुषों के एकल मुकाबले में सुरेंद्र पासवान उपविजेता घोषित किए गए जबकि मनीष भारद्वाज विजेता बने।पुरुषों के युगल मुकाबले में ललन रंजन एवं मनीष भारद्वाज की जोड़ी ने अमन राज और ऋषु राज की जोड़ी को हराकर खिताब अपने नाम किया, टेबल टेनिस की प्रतिस्पर्धा का संचालन गौरव दारूका ने किया।बास्केटबॉल के पुरुष वर्ग में जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन की सीनियर टीम को जूनियर टीम ने संघर्षपूर्ण मैच में 51- 50 से हराकर खिताब अपने नाम किया , जूनियर टीम के कप्तान रितेश मुर्मू और सीनियर टीम के कप्तान अमर कुमार को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।बास्केटबॉल की महिला प्रतिस्पर्धा में दुमका जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन लड़कियों की टीम ने सेंट जेवियर महारो की लड़कियों को पराजित कर किताब पर कब्जा जमाया। बास्केटबॉल के संचालन में दाउद अली ,नीरज शर्मा एवं अमर कुमार का योगदान रहा।कैरम प्रतिस्पर्धा में लड़कियों की जूनियर वर्ग में फलक तहसीन विजेता एवं जरीना खातून विजेता रही, लड़कों के जूनियर वर्ग में आर्यदीप विजेता एवं अरहान अयूबी उप विजेता रहे ,महिलाओं के सीनियर एकल में सुरभि कुमारी विजेता एवं शिप्रा कुमारी उपविजेता रही, पुरुषों के एकल वर्ग में मनीष गुप्ता विजेता एवं अभिषेक कुमार उपविजेता रहे। पुरुषों के वेट्रेन वर्ग में विकास चंद्र झा विजेता गौतम कुमार लायक उप विजेता रहे, चारों प्रतिस्पर्धा में रेफरी के रूप में नीतीश अभिषेक झा राशिद रियाज सुरेंद्र मरांडी सुधार झासिम सौरभ शुक्ला की भूमिका रहे एवं मुख्य निर्णय दिनेश मंडल रहे।शतरंज बालिका वर्ग में अंकिता कुमारी प्रथम साक्षी कुमारी द्वितीय, शतरंज बालक वर्ग में सचिन कुमार प्रथम ,ओर्को प्रोबो, द्वितीय श्रवण रजक तृतीया, प्रियांशु कुमार ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया । शतरंज महिला वर्ग में शांति हांसदा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि पूजा कुमारी दूसरे स्थान पर रही।

शतरंज पुरुष वर्ग में उलट फेर करते हुए प्रकाश कुमार प्रथम स्थान ,घनश्याम प्रसाद साह द्वितीय, निशांत वर्मा तृतीया, धर्मेंद्र कुमार चतुर्थ, तथा प्रीतम दे ने पांचवा स्थान सुरक्षित किया। शतरंज के संचालन में घनश्याम प्रसाद साह,अनुराग नंदन,मनोज कुमार शर्मा, हरिलाल प्रसाद की विशेष भूमिका रही।जिला खेलकूद संघ के तत्वाधान में आयोजित इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जिला खेलकूद संघ के निमाए कांत झा, शिशिर कुमार घोष, विकास कुमार, सौरभ कुमार तिवारी, अंजनी शरण एवं सचिव उमाशंकर चौबे ने सक्रिय भूमिका का निर्वाह किया जिन्हे स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धालुओं ने किया कड़ी सुरक्षा के बीच बाबा का जलार्पण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राजकीय श्रावणी मेला 29 अगस्त को दिन मंगलवार का सरकारी पूजा के बाद प्रातः 3:55 बजे श्रद्धालुओं ने कड़ी सुरक्षा के बीच बाबा का जलार्पण प्रारंभ किया।इस दौरान सभी चेक पॉइंट पर सुरक्षा बल के जवान,मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्त थे।सभी स्वास्थ्य शिविरों में डॉक्टरों की टीम भी उपस्थित थे।सूचना सहायता कर्मी हर दिन की भांति अपने कर्तव्य पर थे।हर हर महादेव और बोल बम के नारों के साथ श्रद्धालु सुबह सवेरे से शिवगंगा में आस्था की डुबकी लगाकर लगातार बाबा फौजदारी नाथ का जलार्पण कर रहे हैं।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी लोगों की समस्या, दिया समाधान का आश्वासन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में उपायुक्त का साप्ताहिक जनता दरबार लगा।उपायुक्त श्री ए दोड्डे ने जिले के विभिन्न प्रखंडो से जनता दरबार में आए लोगों ने बारी बारी से अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया एवं अश्वासन दिया गया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए समाधान किया जायेगा। फरियादियों की समस्याओं को लिखित आवेदन के माध्यम से प्राप्त कर उन्हें संबंधित पदाधिकारियों को निवारण को लेकर अग्रसारित किया गया।जनता दरबार में स्थानान्तरण से , राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन, एवं जमीन कब्जा जैसे कई अन्य मामले लेकर जनता दरबार में लोग पहुंचे।

राष्ट्रीय खेल दिवसः उपायुक्त ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच खिलाड़ी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित की

कोडरमा। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग, झारखण्ड राँची अन्तर्गत खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड, रॉची द्वारा संचालित आवासीय एवं डे-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र के उत्कृष्ट पाँच खिलाड़ियों के लिए का सम्मान समारोह 2023 का आयोजन समाहरणालय किया गया। डे-बोर्डिंग कीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालीं पाँच खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। उक्त खिलाड़ियों को उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमें रोजी परवीन, काम्या कुमारी, अनुष्का कुमारी, तनु श्री और पायल कुमारी शामिल है। उपायुक्त महोदया ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि खेल के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं, इसी तरह आगे खेलते रहे और आगे बढ़ते रहे। इस मौके पर जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम मौजूद रहे।

पाठ्यक्रम के संबंध में जागरूकता अभियान का संचालन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संथाल परगना महाविद्यालय दुमका के इग्नू अध्ययन केंद्र(3604) द्वारा नामांकन और विभिन्न पाठ्यक्रम के संबंध में जागरूकता अभियान का संचालन किया गया। यह अभियान समाज कल्याण विभाग के द्वारा संचालित विभिन्न छात्रावासों में चलाया गया। इस अभियान में क्षेत्रीय इग्नू कार्यालय देवघर के सहायक निदेशक अरविंद मनोज सिंह उपस्थित रहे और वह विभिन्न छात्रावास में जाकर इग्नू के द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों तथा उसकी महत्ता को छात्रों के साथ साझा किया। छात्रों से बात करते हुए उन्होंने यह बताया कि इग्नू में किस तरह से रोजगार परक तथा विभिन्न उपाधियों से संबंधित पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित संथाल परगना महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ खिरोधर प्रसाद यादव ने बताया कि महाविद्यालय में स्थित केंद्र स्थानीय आवश्यकताओं से संबंधित विषय के अध्ययन के प्रति संजीदा है। इग्नू के द्वारा दूरस्थ माध्यम में सहज, सरल एवं उपयोगी शिक्षा ×का लाभ उठाया जाना चाहिए। इसके अलावा कार्यक्रम में उपस्थित संथाल परगना महाविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र (3604) के समन्वयक सुनील बेसरा ने जानकारी दी कि इग्नू में नामांकन की तिथि 31 अगस्त तक है। इस कार्यक्रम में जनजातीय छात्रावास, महिला छात्रावास, अनुसूचित जाति छात्रावास तथा अल्पसंख्यक छात्रावास के छात्र शामिल हुए। उक्त कार्यक्रम में इन सभी छात्रावासों के छात्र अधीक्षक जिसमें डॉ होलिका मरांडी, डॉ सत्यम कुमार, डॉ बसंती हांसदा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। महाविद्यालय में संचालित अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रोफेसर सुनील बेसरा , सहायक समन्वयक प्रोफेसर अमन राज तथा प्रोफेसर प्रतिभा टुडू सहित कार्यालय कर्मी कुर्बान अंसारी, भरत मंडल तथा संजीव मिश्रा उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में विभिन्न छात्रावासों के छात्र नायक तथा बड़ी संख्या में छात्रों की उपस्थिति देखी गई।

टोयोटा रुमियन की बुकिंग शुरू की, कीमत 10.29 लाख रुपये से शुरू

जमशेदपुर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज अपनी नवीनतम पेशकश - द ऑल न्यू (पूरी तरह नई) टोयोटा रुमियन की कीमत और आधिकारिक तौर पर बुकिंग शुरू करने की घोषणा की। इसे इसी महीने (अगस्त 23) के शुरू में लॉन्च किया गया था। उम्मीद की जाती है कि यह असाधारण, नई कॉम्पैक्ट बी-एमपीवी अपने बेजोड़ स्थान और आराम, उत्कृष्ट ईंधन दक्षता, स्टाइलिश और प्रीमियम बाहरी डिजाइन के साथ नए मानक स्थापित करेगी। टीकेएम की नवीनतम पेशकश 10,29,000 रुपये से 13,68,000 रुपये की आकर्षक एक्स-शोरूम कीमत पर उपलब्ध होगी और डिलीवरी 8 सितंबर से शुरू होने की उम्मीद है। बुकिंग 11 हजार रुपये की टोकन राशि से शुरू होती है सात सीट वाली यह एमपीवी 1.5-लीटर के पेट्रोल इंजन से संचालित है जो के-सीरिज का है और इसमें नियो ड्राइव (आईएसजी) तथा और ई-सीएनजी तकनीक का उपयोग किया गया है, जो पेट्रोल वेरिएंट के लिए 20.51 किमी/लीटर और सीएनजी के लिए 26.11 किमी किग्रा की उल्लेखनीय ईंधन दक्षता सुनिश्चित करती है। 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और एक सहज 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में उपलब्ध, नई पेशकश वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले के साथ 17.78 सेमी स्मार्टप्ले कास्ट टचस्क्रीन ऑडियो सिस्टम सहित उन्नत तकनीक का दावा करती है। टोयोटा आई -कनेक्ट से सुसज्जित , यह कार के अंदर के क्लाइमेट (जलवायु) के लिए रिमोट कंट्रोल, लॉक/अनलॉक, हजार्ड लाइट और कई अन्य कनेक्टेड सुविधाएं प्रदान करता है। इसमें उन्नत सुरक्षा खासियतें हैं जैसे डुअल फ्रंट और फ्रंट सीट साइड एयरबैग्स, एबीएस विद ईबीडी, इंजन इम्मोबिलाइजर, इलेक्ट्रॉनिक स्टैबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी) और अन्य। यह घोषणा करते हुए, टीकेएम के वाइस प्रेसिडेंट झ सेल्स एंड स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग, अतुल सूद ने कहा, "ऑल न्यू टोयोटा रुमियन को ग्राहकों की पूछताछ के संदर्भ में मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से हम बेहद विनम्र और सम्मानित महसूस करते हैं।

चरही घाटी में एथनोल टैंकर हुआ दुर्घटनाग्रस्त, झुलसने से एक की मौत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

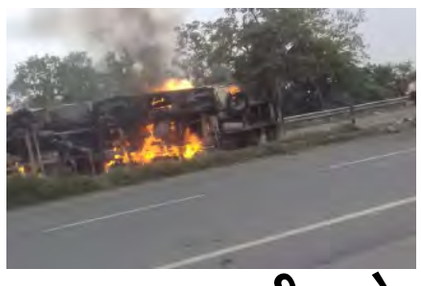

चरही। चरही हजारीबाग नेशनल हाईवे 33 पर आज 3:15 बजे में एथनोल टैंकर अनियंत्रित होकर आग लग गई।गाड़ी संख्या एच आर 58 सी 3675 जिससे कि तेल टैंकर धू-धू कर जल गया। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार तेल टैंकर में बैठा ड्राइवर आग की चपेट में जाकर जल गया है। वहीं टैंकर में एक व्यक्ति पूरी तरह से जला हुआ पाया गया। उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को खबर किया गया है। वही तेल टैंकर में लगी आग से रामगढ़ हजारीबाग रोड पर आवागमन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। तिल टैंकर में लगी आग को देखते हुए पुलिस प्रशासन सक्रिय होते हुए आम लोगों को घटनास्थल से दूर ही रोक दिया है। जिसके कारण वाहनों के लंबे कतार दोनों और लगे दिख रहे हैं।

प्रशासन हजारीबाग एसपी, डीएसपी चर-ही थाना प्रभारी विक्रम कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी घटना स्थल पर पहुंचे हुए हैं।

जिसे मां व परिवार ने ठुकराया, अब इटली होगा उसका घर

बेटे को गोद में लेते ही खुशी से रोने लगे इटली के दंपत्ति

दुमका में दिया गया अबतक की पहला इंट्रर कंट्री एडोप्टेशन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। दुमका जिले से पहली बार इंटर-कंट्री एडोप्सन दिया गया है। इटली के दंपत्ति ने पिछले चार सालों से दत्तक ग्रहण संस्थान (एसएए) में रह रहे बालक को गोद लिया है। साउथ इटली के कोजेथा इलाके में रहनेवाले इटली का यह दंपत्ति पिछले सात सालों से बच्चे का इतजार कर रहा था। सोमवार को दुमका पहुंचने पर जब बालक को उनके गोद में दिया गया तो दोनों पत्नी-पत्नी की आंखें खुशी के आंसुओं से भर गये। श्री अमड़ा में संचालित दत्तक ग्रहण संस्थान (एसएए) में सोमवार को बाल कल्याण समिति के चेयरपर्सन डॉ अमरेन्द्र कुमार, सदस्य रंजन कुमार सिन्हा, डॉ राज कुमार उपाध्याय, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश चंद्र, एसएए के प्रभारी तारिक अनवर, सामाजिक कार्यकर्ता वहीदा खातून ने इस दंपत्ति के गोद में बच्चे को सौंप दिया। तत्कालीन उपायुक्त रवि शंकर शुकला ने 04.03.2023 को इस बालक को इटली के दंपत्ति को एडोप्सन देने के आदेश पर अपनी मुंहर लगा दी। बच्चे गोद लेनेवाले उसके पिता इटली में पुलिस पदाधिकारी हैं और उनकी पत्नी गृहणी है। दोनों न तो अंग्रेजी जानते हैं और न हिन्दी। इसलिए वह अपने साथ दिल्ली से एक इंटरप्रेटर को लेकर यहां आये थे। उन्होंने बताया कि दोनों ने 2008 में शादी किया है। उन्हें कोई संतान नहीं है। यूटेरश निकाले जाने के कारण उनकी पत्नी मां नहीं बन सकती है। दो साल पूर्व उन्होंने बच्चा गोद देने का निर्णय लिया ओर कारा के साइट पर अपना निबंधन करवाया। दोनों पति-पत्नी बेटे को गोद में पाकर खाफी खुश थे। वे बच्चे के लिए इटली से ढेर सारे खिलोने लेकर आये थे। उन्होंने बताया कि उनका संयुक्त परिवार है और परिवार के सभी सदस्य बेसब्री से बच्चे का इंतजार कर रहे हैं। बच्चे का पोसपोर्ट पूर्व में ही बनाया जा सका है। दुमका से दंपत्ति उसे लेकर कोलकाता जाएंगे ओर वहां बच्चे का वीसा बनवाने के बाद दिल्ली जाएंगे। 9 या 10 सितम्बर को वह बच्चे को लेकर इटली लौट जाएंगे। 2018 से अबतक दुमका से दिया गया यह 18वां और पहला इंटर कंट्री एडोप्सन है।

» दिल्ली के सफरदगंज अस्पताल में मिला था बालक

दुमका के इस बालक के जन्म से लेकर उसके एडोप्सन की प्रक्रिया पूरी होने की कहानी बहुत ही मार्मिक है। जिले के सरैयाहाट थाना क्षेत्र की एक महिला अपने पति के साथ काम करने के लिए दूसरे राज्य चली गयी थी। वहां से वह परिवार के सदस्य के साथ भाग गयी। एक साल बाद उसने सफदरगंज अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया पर जब उसे पता चला कि नवजात में मेंडिकल समस्या हे तो वह उसे अस्पताल के बेड पर छोड़कर भाग गयी। उसने अपना पता दुमका का लिखाया था। लिहाजा दिल्ली सीडब्ल्यूसी ने दुमका सीडब्ल्यूसी से संपर्क किया। बच्चे की मेडिकल स्थिति जानने पर दुमका सीडब्ल्यूसी ने इलाज करवाने के बाद ही बच्चे को दुमका ट्रांसफर करने का आग्रह किया पर बच्चे का मामूली ऑपरेशन करवा कर उसे दुमका भेज दिया गया। समिति ने जब बालक के परिवार से संपर्क किया तो उन्होंने उसे अपनाने से इंकार कर दिया। दुमका सीडब्ल्यूसी ने रिम्स में बच्चे का इलाज करवाया और 30.12.2019 को इस बच्चे को एडोप्सन के लिए लीगली फ्री घोषित कर दिया। चुंकि यह बालक स्पेशल नीड चाइल्ड था इस कारण भारत के निःसंतान दंपत्ति ने देखने के बाद बच्चे को गोद लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद इस बालक को कारा के द्वारा इंटर कंट्री एडोप्सन के लिए ओपेन कर दिया गया। इटली के इस दंपत्ति ने बच्चे का फोटो और मेडिकल रिपोर्ट देखने के बाद इसका एडोप्सन लेने की स्वीकृति दे दी।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर कमार दुधानी स्पोट्र्स काम्प्लेक्स में स्वदेशी खेल एवं अन्य खेलों का किया गया आयोजन

झारखंड देखे/प्रतिनिधि।

दुमका। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पर्यटन कला संस्कृति खेल कूद एवं युवाकार्य विभाग झारखंड रांची के तत्वाधान में जिला खेल कार्यालय दुमका द्वारा स्वदेशी खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज कमार दुधानी स्पोट्र्स काम्प्लेक्स दुमका में रस्सा कस्सी एवं इंडियन राउन्ड तीर धनुष (स्वदेशी खेल) तथा वालीबॉल का आयोजन किया गया। आयोजित स्वदेशी खेल में संथाल परगना के डी आई जी सुदर्शन प्रसाद मंडल बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर सर्व प्रथम हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के अवसर पर उनके फोटो पर माल्यार्पण कर शत शत नमन किया। इसके पश्चात उन्होंने विधिवत तीरंदाजी खेल का उद्घाटन किया एवं खिलाडियों को उनके अच्छे प्रदर्शन के आधर पर उन्हें सम्मानित किया इसके पूर्व आईएएस प्रशिक्षु सुश्री प्रांजल ढ़ाढा ने मेजर ध्यानचंद की स्मृति में पुष्प अर्पित कर खिलाडियों को सम्मानित किया एवं अपने वक्तव्यों से खिलाडियों के हौसला को बढ़ाया। इस अवसर पर रस्सा कस्सी वालीबॉल एवं अन्य खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिला क्रीड़ा पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्दार ने बताया कि रस्सा कस्सी खेल में 4 टीम व 60 प्रति भागियों ने भाग लिया एवं तीरंदाजी में 20 बालक/बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। दोनो खेलों में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान लाने वाले विजेता टीम को मेडल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। आगे उन्होंने बताया कि स्थानीय खेल के आयोजन से खिलाड़ियों में काफी उत्साह देखा गया।

उक्त मौके पर जिला क्रीड़ा पदाधिकारी एवं विभागीय प्रशिक्षकगण मौजूद होकर सभी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया साथ ही मौके पर डीएसपी विजय कुमार ,सार्जेंट मेजर पुलिस,लाइन, एसएसबी इंस्पेक्टर एवं अन्य अतिथि मौजूद थे।

विधायक सरयू राय और टाटा स्टील के ऋतुराज के साथ जन समस्याओं को लेकर हुई बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर/ टाटा स्टील युआईएसएल के प्रबंध निदेशक श्री रितुराज सिन्हा के साथ आज हुई बैठक में जमशेदपुर की नागरिक सुविधाओं ख़ासकर पेयजल आपूर्ति एवं सफ़ाई के विषय में वार्ता हुई. निम्नांकित निष्कर्ष सामने आए :-

1. चहारदीवारी का काम पूरा हो जाने के बाद अब भुईयाडीह, लाल भट्ठा, बाबूडीह आदि क्षेत्रों की जलापूर्ति योजना पर शीघ्र तेज़ी से काम शुरू होगा, पाईप लाईन बिछना शुरू होगा। कमोबेश एक साल का समय काम पूरा होने में लगेगा।
2. लिट्टी चौक से नदी की ओर जाने वाली सड़क बनने पर लाल भट्टा -बाबूडीह -भुईयाडीह के सामने नाला पर तीन पुलिया बनेगी ताकि यातायात निकासी का वैकल्पिक मार्ग इस इलाक़े के लोगों को मिले। उल्लेखनीय है कि यही से एनएच 33 को जोड़ने के लिए नदी पर पुल बनने वाला है।
3. जोजोबेडा इलाक़ा के लिए जलापूर्ति की योजना 6 माह में पूरा हो जाएगी। दिसंबर-जनवरी से पानी का फार्म भरना शुरू हो जाएगा।तबतक इस क्षेत्र को पहले की तरह पानी मिलेगा. पानी का फ्लो कम नहीं होगा।
4. जलापूर्ति की दिशा बदल जाने के कारण प्रेम नगर में पेयजल का प्रवाह कम हो गया है। इसे पहले की तरह किया जाएगा।
5. बड़ा नाला बनाने सहित बर्मामाइंस क्षेत्र की क़रीब एक दर्जन जनसुविधा योजनाएँ बनाने पर उनकी सहमति मिली।
6. काशीडीह रोड नं॰ एक बगान एरिया के नाला सफ़ाई कराने का आश्वासन उन्होंने दिया . इस नाला की सफाई विगत आठ वर्षों से नहीं हुई है।
7. जिन बस्तियों में जलापूर्ति पाईप बिछ गया है उनमें उपभोक्ता फार्म भरने के काम में तेजी लाई जाएगी और पानी दिया जाएगा।
8. मैंने अपनी इंदौर नगरपालिका की तीन दिवसीय अध्ययन यात्रा का संक्षेप में अनुभव बताया और कहा कि इंदौर पोस्ट ग्रैजुएट कर रहा तो हम नर्सरी में है तो इसपर श्री रितुराज के अनुसार दो साल के भीतर जमशेदपुर में सिवरेज ट्रीटमेंट, घर घर से कचरा लेने एवं कचरा निष्पादन की दिशा में बड़ी सफलता मिल जाएगी।
9. मैंने जमशेदपुर के लिए स्वच्छ पेयजल आपूर्ति की दीर्घकालीन व्यवस्था के लिए सीधे चांडिल डैम का पानी सतनाला एवं डिमना लेक के माध्यम से लेने और नदी का पानी औद्योगिक एवं अन्य उपयोग के लिए करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने नदी में उंचा वीयर खड़ा करने का विकल्प बताया. मैंने जनहित मे दोनों विकल्पों के लाभ एवं लागत अनुपात का गहन अध्ययन कराने का सुझाव उन्हें दिया।
10. मैंने शहर में यातायात नियंत्रण के बिन्दुओं पर भी चर्चा की और समाधान निकालने का अनुरोध किया और कहा कि लिट्टी चौक -एनएच 33 पुल एवं पथ निर्माण तथा अन्ना चौक -पीपला ऊपरी पथ (एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण के बाद जमशेदपुर में यातायात काफ़ी सुगम होगा. इन दोनों परियोजनाओं के लिए टाटा स्टील अपने ज़मीन का अनापत्ति प्रमाण पत्र देने के लिए तैयार है। इससे अब इनके निर्माण की समस्त बाधाएँ दूर हो गई।

सिदगोड़ा सूर्य मंदिर के शंख मैदान में होने वाले निर्माण कार्य का सूर्य मंदिर समिति ने किया विरोध

● **समिति के सदस्यों ने जिला उपायुक्त से मुलाकात कर जताई आपत्ति, निर्माण कार्य किसी अन्य जगह कराने का किया आग्रह**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर/ सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर के शंख मैदान में बास्केटबॉल कोर्ट एवं सूर्य मंदिर के छठ घाट में स्विमिंग पूल निर्माण कार्य का सूर्य मंदिर समिति ने आपत्ति जताते हुए विरोध दर्ज कराया है। मंगलवार को इस संबंध में सूर्य मंदिर समिति के प्रतिनिधिमंडल ने जिला उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री से मुलाकात की। सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधमंडल ने इस बाबत ज्ञापन सौंपकर सूर्य मंदिर परिसर में निर्माण कार्य ना कराने का आग्रह किया है। ज्ञापन में बताया गया कि सूर्य मंदिर परिसर में छठ घाट तालाब एवं शंख मैदान का निर्माण जनता की मांग और स्थानीय आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आवश्यकताओं की पृष्ठभूमि में वर्ष 2003 में हुआ था। तत्समय से लगातार छठ घाट तालाब में छठ महापर्व का अनुष्ठान तथा शंख मैदान में आध्यात्मिक प्रवचन एवं सांस्कृतिक तथा धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होता रहता है। उक्त दोनों स्थानों के प्रति स्थानीय जनता की आस्था एवं धार्मिक विश्वास बहुत गहरी है। बताया गया कि सूर्य मंदिर समिति को इस प्रकार की सूचना है कि शंख मैदान में बास्केट बॉल कोर्ट एवं छठ घाट तालाब में स्वीमिंग पूल के निर्माण की योजना बनायी जा रही है, जो सर्वथा अनुचित है और लोगों की धार्मिक, सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक भावनाओं के विपरित है। ज्ञापन में कहा गया कि इस प्रकार के निर्माण की कोई योजना भी है, तो उसे किसी अन्य जगहों पर कराया जा सकता है। पूरे जिले में बहुत सारी सरकारी भूमि बिना उपयोग के उपलब्ध है। सूर्य मंदिर समिति ने लोगों की आस्था एवं धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सूर्य मंदिर परिसर स्थित शंख मैदान और छठ घाट तालाब इत्यादि में किसी प्रकार का नया निर्माण नहीं कराने का आग्रह किया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सिदगोड़ा सूर्यधाम पिछले कई दशकों से हिन्दुओं की आस्था का केंद्र रहा है। सूर्य मंदिर समिति के तत्वावधान में प्रायः कोई न कोई धार्मिक अनुष्ठान होता रहता है। गौरतलब है कि सूर्यधाम परिसर में भगवान भास्कर के भव्य मंदिर के अलावे प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर, श्री राधा कृष्ण मंदिर, श्री हनुमान मंदिर एवं वर्षों से पुराना शिव मंदिर है। यहाँ लोक आस्था के महापर्व छठ पर्व, चैती छठ को महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसके साथ ही, प्रत्येक वर्ष पवित्र श्रावण माह के अवसर पर प्रसिद्ध जलाभिषेक यात्रा का आयोजन होता है। शंख मैदान में श्रीराम कथा, यज्ञ का भी आयोजन आये दिन होता है। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि हिन्दू आस्था के इस स्थल को कुछ लोग बर्बाद करने की मंशा लेकर सूर्यधाम में निरंतर व्यवधान डाल रहें हैं। विगत छठ महोत्सव में भी इस तरह का व्यवधान डाला गया था। जिला प्रशासन के सहयोग के कारण ही सूर्य मंदिर समिति छठ महोत्सव को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने में सफल हो पाई। परंतु, एक बार फिर विकास कार्यों के नाम पर हिंदुओं के इस प्रसिद्ध धार्मिक केंद्र से छेड़छाड़ कर लोगों के धार्मिक भावनाओं पर कुठाराघात करने की कोशिश की जा रही है। सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि यह सीधे-सीधे हमारे छठ घाट और पवित्र शंख मैदान को बर्बाद करने की सोची समझी साजिश है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नही किया जा सकता है। उन्होंने इन योजनाओं को पास के टाऊन हॉल में स्थानांतरित करने का सुझाव दिया है।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में मिथिलेश सिंह यादव, चंद्रशेखर मिश्रा, रामबाबू तिवारी, दिनेश कुमार, गुंजन यादव, संजीव सिंह, पवन अग्रवाल, राकेश सिंह, खेमलाल चौधरी, रूबी झा, धर्मेंद्र प्रसाद, प्रमोद मिश्रा समेत अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम द्वारा शहरवासियों के जीवन के साथ खिलवाड़ बर्दास्त नहीं : सीटू

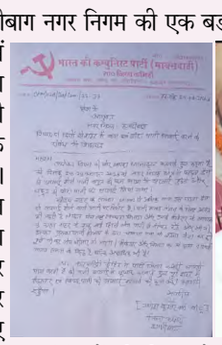

हजारीबाग। हजारीबाग नगर निगम की एक बड़ी आबादी छडवा डैम से पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के द्वारा सप्लाई की जाने वाली पीने के पानी पर निर्भर है। 28 और 29 अगस्त को नाम मात्र का पानी बिना फिल्टर किए हुए शहर वासियों के लिए सप्लाई किया गया। इस संबंध में सी पी एम नेता गणेश कुमार सीटू ने आयुक्त, नगर निगम को पत्र लिखा है, कि 1954 में शहर की आबादी को देखते हुए छड़वा डैम का निर्माण करवाया गया था। ताकि इस डैम से शहर वासियों को पीने का स्वच्छ पानी दिया जा सके। इसके लिए छड़वा डैम के पास ही फिल्टर प्लांट लगाया गया था। जो अभी भी चल रहा है। लेकिन दुःखद बात यह है, कि 69 वर्षों बाद भी इस छड़वा डैम से शहर वासियों को पीने का पानी की सप्लाई हो रही है। जबकि जनसंख्या इन 69 वर्षों में कई गुना बढ़ गया है। साथ ही इन 69 वर्षों में छड़वा डैम में पानी रखने की क्षमता लगातार घटते जा रही है। शहर वासियों को समय पर पानी न देना और बिना फिल्टर किए हुए पानी देना यह न सिर्फ अमानवीय है। बल्कि यह एक आपराधिक कृत्य भी है। बरसात के मौसम में गंदा पानी पीने से शरीर में कई बीमारी होती है। जो कभी कभी जानलेवा भी हो जाती है। नगर निगम सारे टैक्सों के अलावा पानी का अलग से टैक्स ले रही है। तो समय पर स्वच्छ एवं पीने लायक पानी सप्लाई करवाने की जिम्मेदारी भी नगर निगम को है। पानी सप्लाई का जिम्मा जब से ठेकेदारी हाथ में दिया गया है। तब से समय पर पानी न देना, बिना फिल्टर किए पानी देना आम बात हो गई है। सीटू ने शहर वासियों के हित में नगर आयुक्त से मांग की है कि इस मामले पर तत्काल संज्ञान लेते हुए पानी सप्लाई में सुधार करने एवं स्वच्छ पानी का सप्लाई की गारंटी नगर निगम करें। अन्यथा पार्टी जिला कमेटी बाध्य होकर आंदोलन करेगी।

नारायणपुर एवं जामताड़ा के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को स्पष्टीकरण एवं वेतन रोकने का निर्देश

● **जामताड़ा समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी, शिक्षा विभाग, एवं मॉनिटरिंग कमेटी की हुई समीक्षात्मक बैठक।**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

संवाददाता/ जामताड़ा। सोमवार को जामताड़ा उपयुक्त श्री शशि भूषण मेहरा की अध्यक्षता में मासिक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया आयोजित बैठक में उपायुक्त ने कई अहम बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिए। बैठक में सर्वप्रथम उपायुक्त ने जिले के सभी विद्यालयों में नामांकन की स्थिति की समीक्षा की उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2023 24 में कक्षावार नामांकन की स्थिति की समीक्षा की जिसमें उन्होंने पाया कक्षा 1 से 5 तक में कुल 75449 छात्र-छात्राएं, कक्षा 6 से 8 में 43587 कक्षा 9 से 10 में 17152 एवं कक्षा 11 से 12 में 7148 छात्र-छात्राओं का नामांकन किया गया है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारी से ड्रॉप आउट बच्चों की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि एक भी बच्चा विद्यालय से ड्रॉप आउट नहीं हो, वही कम उम्र में बच्चों की शादी ना हो आवश्यक पहल करें आगे कहां की शिक्षक समय से विद्यालय आए एवं शैक्षणिक कार्य को निष्ठा पूर्वक करें वही नारायणपुर एवं जामताड़ा के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को स्पष्टीकरण एवं वेतन रोकने का निर्देश दिया।

साथ ही सत प्रतिशत छात्राओं का बैंक खाता खोलना सुनिश्चित करें उपायुक्त ने समीक्षा क्रम में अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित पदाधिकारी एलडीएम को इस पर विशेष प्राथमिकता देते हुए शत प्रतिशत बच्चों के बैंक अकाउंट खोलने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया एवं छूते हुए बच्चों के पोशाक राशि डीबीटी के मैदान से भुगतान हेतु निर्देश दिया

वही मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में मेनू के अनुसार बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध करने एवं विद्यालय में फलदार पौधे आदि लगवाने का निर्देश दिया वही ई गवर्नेंस सोसायटी की मासिक समीक्षात्मक बैठक में छूटे हुए पंचायत को सीएससी केंद्र से जोड़ने हेतु निर्देश दिया मौके पर अपर समाहर्ता सुरेंद्र कुमार अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडे जिला शिक्षा जिला पूर्ति पदाधिकारी प्रधानमंत्री जिला योजना पदाधिकारी पंकज कुमार तिवारी जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी अभय प्रसार एलडीएम राजेश कुमार की डिस्ट्रिक्ट मैनेजर बिरजू राम राजीव कुमार

मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉक्टर गोपाल कृष्ण झा जिला शिक्षा अधीक्षक दीपक राम सभी बीईईओ सहित संबंधित उपस्थित थे।

जो करेगा1932 का समर्थन उसी के पक्ष में हो मतदान-खतियानी परिवार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

हजारीबाग। हजारीबाग में खतियानी परिवार एवं समता सैनिक दल के संयुक्त बैठक मोहम्मद हकीम की अध्यक्षता में की गई । जिसमें डुमरी विधानसभा के मतदाताओं से अपील करती है। जो 1932 की खतियान को स्वीकार करता है। उसे ही अपना बहुमूल्य मतदान करें। इस अवसर पर समता सैनिक दल के प्रधान महासचिव चंदन कुमार गौतम जी उपस्थित थे। इसके साथी डॉक्टर ए के मेहता, पूर्व डी एस पी जगदीश राम, संत कोलंबस कॉलेज के हिंदी विभाग के प्राध्यापक डा अवधेश कुमार मेहता, समता सैनिक दल के श्रवण कुमार, गौतम श्री, अली हसन, झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला पूर्व प्रवक्ता श्री नौशाद आलम आदि उपस्थित थे। लोकतंत्र में मतदाता ही एक माध्यम है। जिसे झारखंड हित सरकार बनती है। डुमरी विधानसभा के मतदाताओं को इस दल के उम्मीदवार को मतदान करने का अपील किया।

डुमरी उपचुनावः कमजोर शासन से देश एवं राज्य का कभी भला नहीं हो सकताः रघुवर दास

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। पूर्व मुख्य मंत्री रघुवर दास ने आज डुमरी के केबी हाई स्कूल ग्राउंड में आयोजित चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि कमजोर शासन से देश एवं राज्य का कभी भला नहीं हो सकता है। उन्होंने कार्यक्रम में अपना संबोधन रक्षाबंधन पर्व के मौके पर कार्यक्रम में मौजूद बहनों से आशीर्वाद की कामना करते हुए शुरू किया। कहा कि पहले वीर कुंवर साहसी पुरुष किसी साहसिक कार्य में जाने से पहले अपनी बहनों से रक्षा सूत्र बनवाया करते थे,आज मैं आपसे आशीर्वाद मांगने आया हूं।

कहा कि झारखंड की सरकार लुटेरी सरकार है, इस सरकार को जनता शबक दे,यही निवेदन करने आया हूं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी कमजोर सरकार ना देश का भला कर सकता है और ना राज्य का भला कर सकता है, 2004 से 2014 तक 10 वर्ष के अंतराल में केंद्र में यूपीए की सरकार ने केवल घोटाले और गोलमाल का काम किया,इस सरकार में झारखंड मुक्ति मोर्चा और आरजेडी का भी शासन था, यह पैरालिसिस सरकार मनमोहन सिंह के नेतृत्व में थी। कहा कि यूपीए सरकार ने भारत की बदनामी पूरी दुनिया में करने का काम किया।

लेकिन 2014 में गरीब घर के एक चाय बेचने वाले बेटे को देश की प्रभुत्व जनता ने वोट देकर प्रधानमंत्री बनाया। जिसके नेतृत्व में नौ वर्ष के कार्यकाल में भारत और सभी भारतीयों का नाम पूरे विश्व में ऊंचा किया गया।

वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर का काम देख रहे हैं। उनका कहना था कि देश के हर घर में बिजली जाए सरकार ने उस काम को पूरा किया।

इधर इस चुनावी सभा को भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज्यसभा सदस्य लक्ष्मीकांत वाजपेई ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश से आया हूं मैं बाबा बुलडोजर की नगरी से आया हूं, हमारे यहां योगीराज की सरकार है, उनके शासन में किसी माता और बहनों की ओर कोई भी नजर उठाकर देख नहीं सकता, लेकिन आपके झारखंड में 4500 महिलाओं और युवतियों के साथ दुराचार की घटनाएं हुई हैं।

उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा की यहां से जाकर अगले 5 तारीख तक हर घर में दरवाजे दरवाजे तक पहुंचकर कहिए कि अगर अपनी माता और बहनों को बचाना है तो एनडीए प्रत्याशी को वोट देकर विजय बनाएं।

बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री वाजपेई ने कहा कि आज से 25 साल पूर्व अटल बिहारी वाजपेई ने एनडीए को बनाया था और उस एनडीए की प्रत्याशी हैं यशोदा देवी।

वहीं उन्होंने आगे कहा, पुरुषों और नौजवान साथियों की जिम्मेदारी है कि इनकी गुंडागर्दी का मुकाबला कीजिए किसी भी बूथ पर कब्जा करने और लूटने की अनुमति मत दीजिए।

उन्होंने पुनः चेतावनी देते हुए कहा कि हेमंत सोरेन के कई अधिकारी जेल में हैं,और ऐसे दिन आ जाएंगे कि इनकी भी जगह जेल में होगी,इनको जेल जाने से कोई रोक नहीं सकता। बीजेपी नेता ने कहा कि इंडिया गठबंधन का सपना देखने वाले नेताओं की जगह जेल में ही है।

इस कार्यक्रम में बीजेपी के राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू,प्रदीप साहू,पूर्व विधायक नागेंद्र महतो,सुरेंद्र कुमार,महादेव दुबे, चुन्नुकांत सहित अन्य मौजूद थे।

चार दिनों से पंद्रह वर्षीय किशोर लापता, एसपी से लगाई गुहार

गिरिडीह। जिले के जमुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत जेरूवाडीह चचघरा निवासी देवनंदन प्रसाद वर्मा का 15 वर्षीय पुत्र अमित कुमार बीते शनिवार की शाम से लापता है।वहीं चार दिन होने को हैं, लेकिन अब तक उसके बारे में कोई जानकारी निकल कर सामने नहीं आई है। अमित के लापता हो जाने से उनके परिजन काफी परेशान हैं। जमुआ थाना में आवेदन देने के बाद परिजनों ने पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शर्मा को भी आवेदन सौंपकर लापता अमित को ढूंढने की मांग की है। परिजनों का कहना है कि शनिवार 26 अगस्त की शाम 4 बजे अमित कुमार कॉपी खरीदने जाने की बात कहकर काला जींस,घी कलर का टीशर्ट और लाल रंग के हवाई चप्पल पहनकर द्वारपहरी बाजार के लिए निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। वहीं मामले में 4 दिन गुजर जाने से परिजन परेशान हैं और अविलंब अमित को ढूंढने की मांग कर रहे हैं।मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

स्विफ्ट डिजायर कार से दो लाख नगद जब्त

गिरिडीह। बोकारो गिरिडीह सीमा के गुरूटांड़ में बीती रात स्टैटिक की टीम ने स्विफ्ट डिजायर कार से दो लाख रूपये नगद जब्त किया है,सोमवार की देर रात में दंडाधिकारी के साथ पुलिस जवान डुमरी बेरमो सड़क के गुरूटांड चेक पोस्ट में स्टैटिक की टीम ने स्विफ्ट डिजायर कार सवार के बैग से दो लाख नगद राशि को जब्त किया हालांकि कार सवार अपने को धनबाद का ट्रांसपोर्टर बता रहा था,बताया जाता है कि अपनी वैन से तीन अन्य लोगों के साथ देवांग कुमार चास से बरही जा रहा था कि गुरुटांड के समीप चेकिंग के दौरान उसके कार से बैग में दो जगह में पेपर में लपेटा हुआ 2 लाख रूपये नगद राशि बरामद किया गया।देवांग कुमार ने स्टैटिक टीम को बताया कि वह डेढ़ लाख रुपये बैंक से निकाला था और अपनी गाड़ी बनाने के लिए राशि लेकर चास से बरही जा रहा था।

पोक्सो एक्ट के आरोपी को भेजा सुधार गृह

गिरिडीह। जिले में बेंगाबाद थाना कांड संख्या 187/23 पोक्सो एक्ट के आरोपी किशोर को पुलिस ने 29 अगस्त को पकड़ कर बाल सुधार गृह भेज दिया। आरोपी को पुलिस ने थाना क्षेत्र अंतर्गत हरिला स्थित उसके घर से पकड़ा।इसके बाद न्यायालय में पेश करने के बाद उसे बाल सुधार गृह भेजा गया। बता दें कि आरोपी के विरुद्ध पीड़िता के पिता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।इस संबंध में बेंगाबाद थाना प्रभारी प्रशांत कुमार ने बताया कि पीड़िता के पिता के आवेदन के आधार पर कार्रवाई की गई।

स्मिकि ने जीता गोल्ड, अंशु को साउथ एशिया योगी श्रेष्ठ अवार्ड

● **नेपाल के काठमांडू में साउथ एशिया योगसना चैंपियनशिप सम्पन्न**

जमशेदपुर। शहर में योग को एक नया आयाम देनेवाले व कई अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड जीतनेवाले योग गुरु अंशु सरकार की धर्मपत्नी श्रीमती स्मिकि सरकार ने नेपाल के राजधानी काठमांडू में आयोजित 13वीं साउथ एशिया योगसना चैंपियनशिप की महिला श्रेणी (वीमेंस ग्रुप) में गोल्ड जीतकर लौहनगरी सहित पूरे झारखंड के मान बढ़ाया। वहीं अंशु सरकार ने भी उसी प्रतियोगिता में "साउथ एशिया योगी श्रेष्ठ अवार्ड-2023" प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता पुनः सिद्ध की. उक्त प्रतियोगिता 26 अगस्त, 2023 को योगा स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ एशिया और योगा ओ संस्कृति कला केन्द्रम की ओर से आयोजित हुआ। इसमे कुल 364 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमे सरकार दंपति को उक्त सम्मान व अवार्ड प्राप्त हुआ। उन दोनों को आयोजक मंडली के अध्यक्ष योगी महेंद्र भाई भट्टराज व महासचिव डॉ जीत शंकर नाथ ने प्रदान किया. मौके पर नेपाल योगा कॉउंसिल के महासचिव चूड़ामणि खरकी, डॉ लोकनाथ नाथ सहित कई पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

राष्ट्रीय तेली साहू महा संगठन ने समाज सेवी हेमलाल साहू को आर्थिक मदद करने का लिया निर्णय

बड़कागांव। हेमलाल साहू पिता स्वर्गीय उमेश साहू एवं पत्नी आशा देवी खिरगांव हजारीबाग के रहने वाले हैं ज्ञात हो कि हेमलाल साहू का तबीयत ब्रेन हेमरेज होने के वजह से रांची के राज अस्पताल में भर्ती है और उनका तबीयत बहुत ज्यादा खराब हो चुका है और अभी वह आईसीयू में है और जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। राष्ट्रीय तेली महासंगठन के रांची जिला अध्यक्ष कुंज बिहारी साहू ने आर्यन सागर जी एवं रामविलास साहू के साथ राज अस्पताल जाकर बीमार मिला एवं जायजा लिया वहां पर सभी तथ्य सही पाए गए। कुंज बिहारी साहू ने समाज के बंधुओ से निवेदन करते हुए। उन्होंने कहा है कि बड़े-बड़े दानवीर दाताओं से निवेदन करता हूं कि इस परिवार को बचाने में सहयोग करें। इनका ब्रेन हेमरेज ऑपरेशन में रू 6 लाख रुपया लगभग खर्च है जो यह असंभव की बात है इसलिए आप सबों से निवेदन है कि आप मंदिर मस्जिद जग में चंदा देते हैं इसी तरह से 100 200 500 1000 2000 जो बने इनका मोबाइल नंबर दे रहा हू फोन पे नंबर 8935997704 पर कृपया करके सहयोग करें जिससे हेमलाल साहू का जान बचाई जा सके।

मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग के माध्यम से केंद्र, राज्य एवं जिला स्तर पर रखी जाएगी निगरानी

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि 33 डुमरी विधान सभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं निर्भीक मतदान कराने के लिए निर्वाचन विभाग द्वारा सभी आवश्यक उपाय किये जा रहें है। इस दिशा में राजनीतिक दलों की भी सकारात्मक भूमिका अपेक्षित है।

उन्होंने बताया कि निष्पक्ष मतदान के लिए आधुनिक तकनीकों की मदद से पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा केंद्र, राज्य एवं जिला स्तर पर निगरानी रखी जायेगी। इसके अलावा मतदान केंद्रों पर बाहर की ओर भी एक कैमरा अधिष्ठापित किया जाएगा, जिससे मतदान परिसर में होने वाली गतिविधियों पर भी नजर रखी जा सके।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मंगलवार को धुर्वा स्थित कार्यालय के सभागार में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को 33 डुमरी विधानसभा चुनाव में भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों से अवगत कराया गया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदान एवं मतगणना के लिए डुमरी विधानसभा क्षेत्र में

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गए हैं। पांच सितंबर मंगलवार को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान के लिए समय निर्धारित है। मतगणना आठ सितंबर को गिरिडीह के पचम्भा स्थित कृषि उत्पाद विपणन समिति में आठ बजे पूर्वाह्न से निर्धारित है। मतगणना के लिए 16 काउंटिंग टेबल पर कुल 24 राउंड की मतगणना की जानी है।

के. रवि कुमार ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता सूची में सम्मिलित मतदाताओं द्वारा मतदाता पहचान पत्र के अलावा आधार कार्ड, मनरेगा कार्ड, बैंक/पोस्ट ऑफिस द्वारा जारी किए गए पासबुक, श्रम विभाग द्वारा जारी किए गए हेल्थ इंश्योरेंस स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड, भारतीय पास्पोर्ट, पेंशन के कागज, केंद्र/राज्य/पीएसयू/पब्लिक लिमिटिड कंपनी के सर्विस आईडी कार्ड, एमपी/एमएलए/एमएलसी द्वारा जारी किए गए ऑफिसियल आईडी कार्ड, यूडीआईडी कार्ड का वैकल्पिक पहचान पत्र के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि इस उप निर्वाचन के सम्पूर्ण मतदान क्षेत्र में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घंटों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रानिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामले के प्रदर्शन पर प्रतिबंध होगा। साथ ही कहा कि राजनीतिक दलों के ऐसे पदाधिकारी जो संबंधित विधानसभा क्षेत्र के मतदाता न हों वे इस दौरान उस क्षेत्र में न रहें। उन्होंने बताया कि मतदान दिवस को गिरिडीह एवं बोकारो जिला में ड्राई डे के रूप में घोषित किया गया है।

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के ओएसडी गीता चौबे, अवर सचिव देवदास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी मुख्यालय संजय कुमार समेत सभी प्रमुख मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जेएसएलपीएस ने लांच किया फॉरेस्ट हनी

रांची। झारखंड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी (जेएसएलपीएस) की महिला किसान सशक्तीकरण सशक्तिकरण परियोजना (एमकेएसपी) अंतर्गत फॉरेस्ट शहद की लॉन्चिंग राज्य के विभिन्न जिलों से आई सखी मंडल की महिलाओं ने किया। झारखंड के सुदूर घने जंगलों में पारंपरिक रूप से उत्पादित होने वाले शहद प्राकृतिक रूप से एकत्र की जाती है। औषधीय गुणों से भरपूर फॉरेस्ट हनी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है।

झारखंड के सुदूर ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक रूप से फॉरेस्ट हनी का उत्पादन होता आ रहा है लेकिन सही तकनीक और बाजार व्यवस्था की जानकारी के अभाव में यह विलुप्ति के कगार पर था। मंगलवार को एमकेएसपी परियोजना के तहत जेएसएलपीएस ने पहल करते हुए राज्य के चार जिलों रांची, लातेहार, खूंटी एवं सिमडेगा के

10 प्रखंडों में 183 गांव के सखी मंडल से जुड़े 9000 परिवारों को वैज्ञानिक विधि से मधु उत्पादन का प्रशिक्षण देकर आजीविका के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

इसके अलावा महिलाओं द्वारा उत्पादित शुद्ध शहद सामुदायिक संस्थानों के माध्यम से शहद संग्राहक कर पलाश ब्रांड के तहत पैकेजिंग कर बाजार में उपलब्ध करवाए जाएंगे। इनोवेटिव हनी लाईवलीहुड परियोजना के तहत सखी मंडल की महिलाओं द्वारा ह्यमहिला अग्रणी किसान सशक्तिकरणह्न वेबसाइट लांच हुआ।

सीओओ बिष्णु चरण परिदा ने कहा कि फॉरेस्ट हनी उत्पादन के जरिए सखी मंडल की महिलाओं को आजीविका के नए अवसर प्रदान कर सशक्त किया जा रहा है।

उन्होंने फॉरेस्ट हनी की पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रोडक्ट क्वालिटी पर खास जोर देते हुए बताया की उनके द्वारा उत्पादित प्रोडक्ट राज्य के साथ-साथ सरस मेले में राष्ट्रीय स्तर पर भी लोगो द्वारा खरीदी और पसंद की जाती है।

हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को दिया निर्देश, ईडी को मुहैया कराएं दाखिल आरोप पत्र की प्रतिलिपि

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि यदि ईडी चाईबासा में मनरेगा घोटाले मामले के अनुसंधान से संबंधित दस्तावेज की प्रतिलिपि की मांग करती है तो उसे उपलब्ध कराए। चाईबासा में मनरेगा घोटाला कि सीबीआई जांच को लेकर मतलूब आलम की जनहित याचिका की सुनवाई हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई।इससे पहले ईडी ने कोर्ट को बताया कि मामले में कई केस में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने आरोप पत्र दाखिल कर दिया है लेकिन आरोप पत्र की प्रतिलिपि मांगे जाने पर राज्य सरकार द्वारा ईडी को मुहैया नहीं कराया जा रहा है। इस पर कोर्ट ने सरकार को ईडी द्वारा मांगे जाने वाले दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए कहा कि ईडी चाहे

तो संबंधित कोर्ट से आरोप पत्र की सर्टिफाइड कॉपी भी निकाल सकती है।इससे पहले राज्य सरकार की ओर से मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर बताया गया कि एसीबी ने मामले में 14 प्राथमिकी दर्ज की है। इनमें से 10 केस में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है जबकि चार केस में अभी अनुसंधान चल रहा है। राज्य सरकार के स्टेटस रिपोर्ट पर सुनवाई के लिए 31 अक्टूबर की तिथि निर्धारित की। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन एवं अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने पैरवी की। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राजीव कुमार ने पैरवी की।पिछली सुनवाई में कोर्ट ने एसीबी में दर्ज 14 एफआईआर के संबंध में सरकार से पूछा था कि इन केस की वर्तमान में जांच की क्या स्थिति है। इस पर सरकार से स्टेटस रिपोर्ट मांगी गई थी, जिसे सरकार की ओर से मंगलवार को कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।

झारखंड में अपराधी बेखौफ और जनता डरी हुई है : बाबूलाल मरांडी

रांची,। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को डुमरी उप चुनाव में ऊपर टांड़ मंडल में बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। मरांडी ने कहा कि जनता भगवान है और कार्यकर्ता पार्टी की पूंजी हैं। उन्होंने सम्मेलन में बूथ जीतो-चुनाव जीतो मंत्र को सिद्ध करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि झामुमो बता नहीं पा रहा कि आखिर उनके प्रत्याशी को वोट क्यों दिया जाए। आखिर हेमंत सोरेन की सरकार ने पिछले साढ़े तीन वर्षों में राज्य को जो लूट, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, बलात्कार, हत्या, चोरी, डकैती, अपहरण, बेरोजगारी का उपहार दिया है, उसके लिए लिए वोट दिया जाए। राज्य सरकार ने गरीबों के अनाज लूटवाए।

मरांडी ने कहा कि आज राज्य की स्थिति भयावह है। अपराधी बेलगाम, बेखौफ हैं और जनता डरी-सहमी हुई है। अपराधी व्यापारियों को व्हाट्सएप पर मैसेज भेजकर रंगदारी मांग रहे। हेमंत है तो अपराधियों को हिम्मत है। उन्होंने कहा कि झारखंड में कानून का राज स्थापित करने के लिए हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकना आवश्यक है। डुमरी उप चुनाव में एनडीए प्रत्याशी की जीत के बाद झारखंड नई करवट लेगा। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में बिना पैसे का कोई काम नहीं होता। मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए भी पैसे लिए जा रहे। पदाधिकारी कर्मचारी घूस मांगने की हिम्मत कर रहे क्योंकि, राज्य का मुखिया ही भ्रष्टाचार में शामिल है।

केंद्र सरकार ने घरेलू सिलेन्डर में कमी कर उपहार नहीं उपहास किया : सुप्रियो भट्टाचार्य

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्र सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थी महिलाओं को उनके गैस सिलेंडर के भुगतान में 200 रुपये की कमी कर उपहार नहीं उपहास किया है। यह एक स्वस्थ आदमी का गला रेतने के पश्चात उनके नश्वर शरीर में खून चढ़ाने जैसा है।

उन्होंने कहा कि देश में लगातार बढ़ती मंहगाई, घटते रोजगार, बढ़ती बेरोजगारी, आदिवासी एवं दलितों पर लगातार हो रहे अत्याचार इस बात की गवाही देते हैं कि देश आज किस रास्ते की ओर जा रहा है। हरियाणा में नूह जैसी असभ्य तरीके से

अल्पसंख्यक समुदाय पर किये गए अत्याचार एवं चिन्हित कर उनके आशियाने को उजाड़ने वाली भाजपा का शासन तंत्र आज कितना निरंकुश हो गया है।

भट्टाचार्य ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि डॉ भीम राव अम्बेडकर के नेतृत्व में देश भर के प्रतिष्ठित और दूरगामी चिन्तकों के अथक मेहनत एवं विचारोपरान्त तैयार हमारे संविधान को बदलने की बात हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं को बताना पड़ेगा कि उज्ज्वला योजना के लाभार्थी को 200 रुपये अनुदान देकर, देश के बीस लाख करोड़ रुपये चंद पूंजीपतियों के ऋण को माफ कर किस अर्थव्यवस्था की बात करते हैं।

ब्रेन डेथ की घोषणा करने वाला झारखंड का पहला अस्पताल बना रिम्स

रांची, । रिम्स राज्य का पहला अस्पताल होगा जहां ब्रेन डेथ की घोषणा की जा सकेगी। रिम्स के पीआरओ डा राजीव रंजन ने मंगलवार को बताया कि स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, झारखंड सरकार की ओर से स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन की ओर से ब्रेन डेथ घोषणा के लिए प्रस्तावित मेडिकल विशेषज्ञों की टीम के गठन को अनुमोदन प्राप्त हो गया है। केंद्रीय अधिनियम मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 की धारा-3 की उपधारा-6 के तहत मेडिकल बोर्ड की टीम के की ओर से ब्रेन डेथ घोषित किये जाने का प्रावधान है। रिम्स चिकित्सा अधीक्षक इस मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष होंगे। ब्रेन डेथ घोषणा के पश्चात संभावित अंगदाता की पहचान हो पायेगी। इससे अंगदान के माध्यम से अंग प्रत्यारोपण को बढ़ावा दिया जा सकेगा।

क्या है ब्रेन डेथ

ब्रेन स्टेहम दिमाग का निचला हिस्साा होता है, जो रीढ़ की हड्डी से जुड़ा होता है। ब्रेन स्टेम शरीर के महत्वपूर्ण केंद्र जैसे श्वसन व हृदय को नियंत्रित करता है। रोड एक्सीडेंट, सर पर गंभीर चोट लगना, ब्रेन स्ट्रोक या ऐसी शारीरिक स्थिति जिसमें मस्तिष्क गंभीर रूप से प्रभावित हो यह ब्रेन डेथ का कारण बन सकती हैं। जब डॉक्टर किसी को ब्रेन डेड घोषित करते हैं इसका मतलब है कि मस्तिष्क द्वारा सभी क्रियाओं पर विराम लग जाना। ब्रेन डेथ में मरीज के मस्तिष्क की मृत्यु हो गई है पर कृत्रिम तरीके से वेंटीलेटर के माध्यम से हृदय, किडनी, लिवर आदि अंगों को जीवित रखा जा सकता है। हालांकि यह अंग भी तभी तक जीवित रह सकते हैं, जब तक व्यक्ति वेंटिलेटर पर है और कुछ समय उपरांत हृदय भी काम करना बंद कर देता है।

किसी व्यक्ति को ब्रेन डेथ घोषित करने से पहले कई प्रकार के परीक्षणों के आधार पर पुष्टि की जाती है। यह परिक्षण छह घंटे के अंतराल में अनुमोदित सूची में से चार डाक्टरों के पैनल द्वारा किया जाता है।

सार-संक्षेप

झारखंड के सभी स्कूलों में रक्षाबंधन की छुट्टी 31 को

रांची। राज्य के सभी सरकारी और गैर सरकारी सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक विद्यालय सहित) स्कूलों में रक्षाबंधन को लेकर 31 अगस्त को छुट्टी की घोषणा की है। पहले 30 अगस्त को रक्षाबंधन की छुट्टी की घोषणा की गई थी।

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के अधिसूचना के आलोक में छुट्टी की तारीख में संशोधन किया गया। इसके तहत अब राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में 30 की जगह 31 अगस्त को छुट्टी घोषित की गयी है। इस संबंध में मंगलवार को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने आदेश जारी किया है।

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के तहत निकाली गयी रैली

रांची। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के तहत मंगलवार को राजकीय नेत्र अधिकोष, क्षेत्रीय नेत्र संस्थान और रिम्स की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय के सामने से निदेशक प्रो डॉ राजीव कुमार गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रैली रिम्स इमरजेंसी पहुंचकर समाप्त हुई।

रैली में पोस्टर, बैनर के माध्यम से लोगों को जानकारी दी गई कि मरणोपरांत भी आपकी आंखें बहुमुल्य है और इसे दान करने से कार्निया अंधापन से ग्रसित दो दृष्टिहीनों को रौशनी मिल सकती है। मृत्यु के चार से छह घंटे के भीतर नेत्र दान की प्रक्रिया पूरी की जाती है।

रैली में रिम्स के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ शिव प्रिये, चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ शैलेश त्रिपाठी, नेत्र विभाग के डॉ एम दीपक लकड़ा, डॉ सुनील कुमार, सीनियर व जुनियर रजिडेंट सहित अन्य शामिल थे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने केक काटकर मनाया जन्मदिन

रांची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कांग्रेस भवन रांची में मंगलवार को केक काटकर जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के लोगों का प्यार हमारे लिए बहुमूल्य है। जन्मदिन को आम से खास बनाने के लिए उन्होंने कांग्रेस नेताओं को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि आप लोगों का प्यार ही हमारी ताकत है और जब तक आप लोगों का प्यार हमारे साथ रहेगा हम लगातार पार्टी और संगठन को बुलंदियों तक पहुंचाने का काम करते रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर के कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के रूप में दो वर्षो का कार्यकाल बेमिसाल रहा। कार्यकताओं का गौरव बढ़ा और आज कार्यकर्ता अपने आपको सम्मानित महसूस कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस, महासचिव सह प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष नेतृत्व में पूरी पार्टी एकजुटता के साथ खड़ी है। इनका सरल व्यक्तित्व कार्यकताओं को कार्य करने का प्रेरणा देता है। प्रदेश महासचिव सह कार्यालय प्रभारी अमुल्य नीरज खलखो ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष नेतृत्व में पंचायत से लेकर प्रदेश तक के कार्यकताओं को सम्मान मिला है। यह हम कार्यकताओं के लिए गौरव की बात है।इस अवसर पर कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

पुलिस ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

रांची। रांची में अपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाने के उद्देश्य से एसएसपी किशोर कौशल लगातार कई निर्देश दे रहे हैं । इसी क्रम में रांची के ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमा ने शहर के कांके रोड,अल्बर्ट एक्का चौक,कांटा टोली,बरियातू सहित कई इलाकों में क्राइम कंट्रोल और ट्रैफिक नियम को लेकर संघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों को फटकार भी लगाई गई।रात में विभिन्न चौक में तैनात पुलिस अधिकारियों को कड़ाई से चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश भी दिया गया है, ताकि अपराधियो पर लगाम लगाया जा सके। चेकिंग के दौरान कांटाटोली, बहू बाजार ,चुटिया सहित कई इलाकों में सदर डीएसपी प्रभात कुमार बरवार भी एक्टिव नजर आए और एंटी क्राइम चेकिंग अभियान खुद सड़क पर उतर कर कड़ाई से किया ।इस दौरान कई लोगो की तलाशी ली गई और जांच किया गया।

मुख्यमंत्री ने मेजर ध्यानचंद की जयंती पर किया नमन

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन किया। उन्होंने कहा कि आज राष्ट्रीय खेल दिवस पर भी मैं सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए जोहार करता हूं।उन्होंने कहा कि वर्षों से सीमित संसाधनों के बावजूद खेल के क्षेत्र में झारखंड के हमारे मेहनती युवाओं ने पहचान बनायी है। आज खेल के विभिन्न क्षेत्रों में बेटे-बेटियां आगे बढ़ रहे हैं। मुझे खुशी है कि देश में पहली बार आयोजित होने वाली एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का ऐतिहासिक आयोजन भी जल्द ही रांची में होगा। इसके लिए सभी को पुनः हार्दिक बधाई और जोहार।

कोयला खनन परियोजनाओं के नामकरण में राज्य की परंपरा एवं इतिहास को सम्मान मिले: हेमंत सोरेन

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को केंद्रीय खान एवं कोयला मंत्रालय, भारत सरकार में मंत्री प्रहलाद जोशी को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में कहा है कि कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा संचालित विभिन्न कोयला खनन परियोजनाओं एवं निजी कोयला परियोजना का नामकरण स्थानीय स्थल, गांव, मौजा, पंचायत, प्रखंड, झारखंड राज्य के महापुरुषों एवं दर्शनीय स्थलों आदि के अनुरूप किया जाए।हेमंत सोरेन ने पत्र में अनुरोध किया है कि कोल इंडिया लिमिटेड, निजी कंपनियों एवं अन्य लोक उपक्रमों के द्वारा संचालित खनिज परियोजनाओं का नामकरण भारत सरकार द्वारा स्थानीय जनमानस की भावनाओं, परंपरा, संस्कृति आदि के आधार पर नहीं किया जा रहा है। उन्होंने चतरा जिला में संचालित खनन परियोजनाएं आम्रपाली कोयला परियोजना, अशोक कोयला परियोजना एवं मगध कोयला परियोजना का उदाहरण देते हुए कहा है कि इन कंपनियों द्वारा जन भावनाओं के खिलाफ जाकर स्थानीय जन भावनाओं की संस्कृति, परंपरा और इतिहास को उचित सम्मान नहीं दिया जा रहा है।

क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर 95 लाख की साइबर ठगी के दो आरोपित गिरफ्तार

रांची। अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की साइबर थाना ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर 95 लाख दो हजार रुपये की साइबर ठगी करने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सीआईडी टीम ने दोनों को महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले से गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो मोबाईल, चार सिम, पांच एटीएम, सात आधार कार्ड, दो पेन कार्ड, चार चेक, आठ चेक बुक सहित अन्य सामान बरामद किये गये हैं।सीआईडी के डीजी अनुराग गुप्ता ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में प्रतीक संतोषराव राउत और अभिषेक संतोष तूपे शामिल हैं। ठगी के 95 लाख दो हजार रुपये में से 40 लाख 74 हजार 130 रुपये को फ्रीज करवा दिया गया है। डीजी ने बताया कि धनबाद के रहने वाले एक व्यक्ति ने सीआईडी के साइबर सेल थाना में शिकायत दर्ज कराया गया था।

साइबर अपराधियों ने पीड़ित से जीवन साथी डॉट कॉम पर उपलब्ध एक प्रोफाइल में संपर्क किया और उन्हें क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर अधिक पैसे कमाने के लिए कहा गया। इसके लिए पीड़ित व्यक्ति को एक फर्जी बेवसाइट पर रजिस्टर करने को कहा गया। इसके लिए पीड़ित से अलग-अलग बैंक खाताओं में यूपीआई के माध्यम से पैसे डालने को कहा गया। इसके एवज में पीड़ित को उनका प्रॉफिट फर्जी बेवसाइट पर दिखाया जाता था। जांच में इन फर्जी बेवसाइट का मूल स्थान हांगकांग, चाइना, कंबोडिया में पाया गया है।फाइनेंशियल ट्रायल एनालिसिस में फेक कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के बैंक खाता पाये गये हैं। इसमें करोड़ों रुपये के ट्रांजेक्शन किये गये थे। पीड़ित व्यक्ति से कुल 95 लाख रुपये की ठगी की गई थी।

डीजी ने बताया कि अनुसंधान के क्रम में मामले में भारतीय अपराध समन्वय केंद्र क4सी, गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं साइबर पुलिस, महाराष्ट्र, औरंगाबाद और अमरावती पुलिस (महाराष्ट्र) के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कांड में शामिल दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।अब तक के अनुसंधान और पूछ-ताछ में यह बात प्रकाश में आयी है कि विभिन्न बैंकों में भेजे गये पैसों को क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज पर विभिन्न ब्लॉक चैन वॉलेट एड्रेस पर भेज दिया जाता था जो अनुसंधान के अंतर्गत है।

झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी बच्चों में कुपोषण की जांच अब झारखंड राज्य मानवाधिकार आयोग करेगा

जमशेदपुर। झारखण्ड के ग्रामीण एवं आदिवासी परिवेश मे रहने वाले बच्चों मे कुपोषण की जाँच अब झारखण्ड ऱाज्य मानवाधिकार आयोग करेगा। यह निर्देश नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने ऱाज्य मानवाधिकार आयोग को दिया है। उक्त आशय की जानकारी एनएचआरसी ने मामले के शिकायत कर्ता एवं मानवाधिकार संगठन व रोटी बैंक के चेयरमैन मनोज मिश्रा को मेल के माध्यम से दी है। एनएचआरसी ने झारखण्ड ऱाज्य मानवाधिकार आयोग के सचिव को पत्र भेजकर मामले की जाँच कर न्याय संगत कार्यवाही करने को कहा है। एनएचआरसी ने केश संख्या

1022/34/6/2023 दर्ज करते हुए इसे झारखण्ड ऱाज्य मानवाधिकार को स्थानान्तरित किया है तथा इसे झारखण्ड ऱाज्य क्षेत्र के अंतर्गत का मामला बताते हुए इसे मानवाधिकार हनन का गंभीर विषय वस्तु बताया है। उल्लेखनीय है कि मनोज मिश्रा के नेतृत्व मे मानवाधिकार संगठन एवं रोटी बैंक की एक टीम ने जुलाई माह मे पूर्वी सिंहभूम स्थित बड़ाबांकी एवं अन्य आदिबासी बहुल क्षेत्र का दौरा किया था, जिसमे सबर वर्ग से जुड़े परिवार सहित क्षेत्र के बच्चे एवं महिलाएं कुपोषण एवं एनीमिया से ग्रसित देखे गये थे। बड़ाबांकी आंगनबाड़ी केंद्र को लेकर लोगो मे असंतोष देखा गया था, क्षेत्र मे पीने के पानी सहित स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव देखा गया था। यहीं स्थिति अन्य क्षेत्रों मे भी पाई गयी थी। मनोज मिश्रा ने बताया कि झारखण्ड का गठन यहां के आदिवासी एवं मूल वासियों के सम्पूर्ण विकास जैसे पुनीत उदेश्यो को लेकर किया गया था वही वर्ग आज अपने मौलिक अधिकार से वंचित है। गांव मे सबर परिवार की महिलाये पौष्टिक आहार किसे कहते है नही जानते, यह बेहद ही शर्मनाक है। उन्होने कहा पुरे मामले को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भेजा गया था, जिसके बाद यह कार्यवाही हुई है। मनोज मिश्रा के साथ दौरे मे सलावत महतो,रेणु सिंह, अनिमा दास, ऋषि गुप्ता, देवाशीष दास, सुभश्री दत्ता, अभिजीत चंदा उपस्थित थे।

नीरज का कमाल

ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। उन्होंने पुरुषों की भालाफेंक प्रतियोगिता में 88.17 मीटर थ्रो के साथ यह उपलब्धि हासिल की।

भारत के ओलिंपिक्स गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड ऐथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी गोल्ड जीतकर देश का सिर ऊंचा कर दिया है। अब तक कोई भी ऐथलीट देश को यह गौरव नहीं दिला पाया था। लेकिन बात सिर्फ इस एक गोल्ड की नहीं है। उनकी इस उपलब्धि के साथ ऐसी कई बातें जुड़ी हैं जो इसे खास बनाती हैं। पहली बात तो खुद नीरज चोपड़ा की अब तक की यात्रा है। चंद बरस पहले वह बढ़ते वजन से परेशान एक टीनेजर थे। 13 साल की उमर में उनका वजन 80 किलोग्राम हो गया था जिसकी वजह से उनकी उम्र के दूसरे बच्चे उन्हें चिढ़ाते थे। वहां से शुरू करके नीरज ने न सिर्फ अपने शरीर को साधा बल्कि अपने मन को अनुशासित कर इस तरह से केंद्रित किया कि लगातार आगे बढ़ते रहे। साल 2018 में एशियाई खेल और फिर कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड, 2020 में तोक्यो ओलिंपिक्स में गोल्ड, 2022 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर, 2022 में ही डायमंड लीग में गोल्ड और 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड लाने का उनका करिश्मा तो बहुत कुछ कहता ही है, सबसे बड़ी बात यह है कि इस दौरान वह अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार करते रहे।

अब भी उनका कहना है कि आने वाले कॉम्पिटिशंस में वह और बेहतर परफॉर्म करने की उम्मीद बनाए हुए हैं। 90 मीटर के लक्ष्य तक पहुंचने का उनका संकल्प कायम है। इसी से जुड़ी दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि नीरज चोपड़ा अपने व्यक्तित्व और प्रदर्शन की बदौलत देश के दूसरे ऐथलीट्स के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं।

बुडापेस्ट में हो रहे वर्ल्ड चैंपियनशिप की ही बात करें तो मेडल भले सिर्फ नीरज चोपड़ा के खाते में आया हो, लेकिन किशोर जेना और डीपी मनु ने भी बढ़िया प्रदर्शन किया। जेना ने 84.77 मीटर के साथ अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। दूसरी ओर मनु 84.14 मीटर के थ्रो के साथ छठे नंबर पर रहे। इस तरह पहली बार ऐसा हुआ कि टॉप आठ खिलाड़ियों में तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल रहे। यह इस फील्ड में भारत की मजबूत उपस्थिति दर्शाता है। यही नहीं वर्ल्ड ऐथलेटिक चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच चुकी और नैशनल चैंपियनशिप की गोल्ड विनर अनु रानी और उनकी तरह के तमाम महिला-पुरुष एथलीट हैं, जिनके लिए नीरज चोपड़ा रोल मॉडल बने हुए हैं। इन सबका मिला-जुला प्रभाव है कि ऐथलेटिक्स के क्षेत्र में आने वाला दौर भारत के लिए उम्मीदों से भरा दिख रहा है।

ऐसे समय जब चांद के दक्षिण ध्रुव के पास चंद्रयान उतार कर भारतीय वैज्ञानिक स्पेस एक्सप्लोरेशन के क्षेत्र में अपना झंडा बुलंद कर चुके हैं और शतरंज में प्रग्नानंदा जैसे यंग टैलंट नई उम्मीदें दिखा रहे हैं, नीरज चोपड़ा की यह उपलब्धि न केवल देशवासियों के मनोबल को और ऊंचा करती है बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी निरंतर बेहतर करने का विश्वास और प्रेरणा देती है।

मार्ग-दर्शन

सत्य ने किया बालक को भयमुक्त

गांव में रहने वाले एक बुजुर्ग ने एक अनाथ बालक को अपने पास रख लिया था। दोनों एक -दूसरे का सहारा बन गए थे। बालक, बुजुर्ग को 'बाबा' कहता और उनका कहना मानता। बालक को बस्ती से बाहर नदी किनारे बहुत अच्छा लगता। वह जब-तब वहां पहुंचकर घंटों खेलता रहता, पर लौटकर आता तो बाबा की डांट खाता। बाबा को डर लगता कि कहीं वह नदी में गिर न जाए इसलिए एक दिन उन्होंने बालक से कहा, 'बेटा! तुम नदी किनारे अकेले मत जाया करो। वहां भूत रहता है।' यह सुनकर बालक इतना भयभीत हो गया कि उसने घर से निकलना ही छोड़ दिया। बाबा ने यह नहीं सोचा था कि बालक भूत की झूठी बात से इतना डर जाएगा। आखिर एक दिन उन्होंने बालक के डर को दूर करने के लिए उसके हाथ में एक धागा बांधते हुए कहा, 'बेटा! ये भगवान का धागा है। अब वे तुम्हारे साथ हैं। तुम्हें भूत से डरने की कोई जरूरत नहीं है।' इसके बाद बालक का डर दूर हो गया और वह निर्भीक होकर बाहर घूमने-फिरने लगा। एक दिन उसके हाथ का धागा कहीं गिर गया। वह सूनी कलाई लेकर बाबा के पास आया और बोला, 'बाबा! भगवान चले गए अब भूत आ जाएगा।' उसे डरा हुआ देखकर बाबा को अपनी गलती महसूस हुई। उन्होंने उसे समझाया, 'बेटा! न तो नदी किनारे भूत है और न धागे में भगवान। तुम्हारी चिंता के वशीभूत होकर मैंने यह झूठ बोला। तुम सावधानी से मेरे साथ नदी चला करो। इससे मेरी चिंता और तुम्हारा भय, दोनों दूर हो जाएंगे।' यह सुनकर बालक भयमुक्त हो गया। बच्चों का मन सहज विश्वासी होता है। इसलिए उन्हें कभी असत्य व भ्रामक बातें न कहें। सदैव सत्य और साहस की शिक्षा दें।

जीने की राह

समस्या को समझने में ही समाधान

यदि किसी जहरीले, खतरनाक जानवर को पकड़ने का अवसर आए तब हम अत्यधिक सावधानी रखते हैं। ऐसे ही जीवन में जब कोई समस्या आए तो सबसे पहले उसे सावधानी से पकड़ा जाए। यदि पकड़ने का ढंग ही गलत हुआ तो समाधान, समस्या से भी अधिक खतरनाक होगा। यही वजह है कि कई लोग समस्या सुलझा नहीं पाते। इसलिए समस्या को पकड़ने की योजना बहुत स्पष्ट होनी चाहिए। सुंदरकांड में श्रीराम के सामने एक बड़ी समस्या यह थी कि समुद्र पर सेतु कैसे बनाया जाए। सलाह का सहारा लिया तो छोटे भाई लक्ष्मण के विरोध के स्वर सामने आ गए। लेकिन श्रीराम ने समस्या को बहुत सही तरीके से पकड़ा। चार बातों का प्रयोग उन्होंने उस समय किया था। पहली बात, लक्ष्मण के प्रतिकार पर हंसे थे। दूसरी बात उन्होंने स्वयं धैर्य नहीं छोड़ा और छोटे भाई को भी धैर्य रखने को कहा, ऐसे ही करब धरहु मन धीरा।। इसके बाद पूरी विनम्रता से समुद्र को प्रणाम किया और वहीं बैठ गए। प्रथम प्रनाम कीन्ह सिरु नाई। बैठे पुनि तट दर्भ डसाई।। इसके बाद उन्होंने पहले सिर नवाकर प्रणाम किया। फिर किनारे पर कुश (आसन) बिछाकर बैठ गए। हमारे जीवन में जब भी कोई समस्या आए प्रसन्नता, धैर्य, विनम्रता और योग का सहारा लें। यहां बैठ जाने का अर्थ है शांत मन से स्वयं का मूल्यांकन करना। वरना हम जिन प्रयासों में सफलता ढूंढ़ते हैं वे प्रयास नई समस्याओं को जन्म दे देते हैं। श्रीराम से सीखिए समस्या तो आएगी, पर पहली पकड़ ही मजबूत बनाएं।

यूपीएससी के एक्जाम पैटर्न में है भारी गड़बड़ी, संसदीय समिति की ताजा रिपोर्ट ने खड़े किए कई सवाल

हाल ही में कार्मिक, लोक शिकायत और कानून एवं न्याय विभाग से संबंधित संसद की स्थायी समिति ने 'रिव्यू ऑफ फंक्शनिंग ऑफ रिक्रूटमेंट ऑर्गनाइजेशंस ऑफ गवर्नमेंट ऑफ इंडिया' शीर्षक वाली एक रिपोर्ट संसद में पेश की। इस रिपोर्ट में सिविल सर्विसेज एक्जाम और सिविल सर्वेंट्स को लेकर कुछ बातें कही गई हैं। ये बातें न केवल उन सिविल सर्वेंट्स की मंशा पर सवालिया निशान लगाती हैं जो इंजीनियरिंग व मेडिकल बैकग्राउंड के हैं बल्कि यूपीएससी के परीक्षा पैटर्न को भी कठघरे में खड़ा करती हैं।

परीक्षा पैटर्न पर सवाल

समिति की रिपोर्ट से कुछ अहम बिंदु उभरते हैं, जिन पर गौर करने की जरूरत है।

-फिलहाल सिविल सर्विसेज में 70 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थी टेक्निकल स्ट्रीम के सफल हो रहे हैं।

-इससे देश हर साल उन सैकड़ों टेक्नोक्रेट्स को गंवा दे रहा है, जिनसे अन्य क्षेत्रों में काम करने की अपेक्षा रहती है।

-सरकार ने सिविल सर्वेंट्स के लिए प्रशिक्षण व्यवस्था में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं, लेकिन अधिकारियों की दक्षता, ऊर्जा और तीव्रता में अभी भी सुधार की जरूरत है।

-एक सिविल सर्वेंट सरकार और आम जनता के बीच 'इंटरफेस' होता है, जिसमें लोगों के प्रति मानवीय भाव और संवेदनशील दृष्टिकोण होना चाहिए।

-वर्तमान सिविल सर्वेंट्स के पास अपने पूर्व भारतीय सिविल सर्वेंट्स के समान कानूनी कौशल नहीं है।

-आईएएस, आईपीएस, आईआरएस और आईएफएस के लिए पूरी भर्ती प्रक्रिया पर पुनर्विचार करने का यह सही समय है।

समिति की ओर से रेखांकित किए गए ये बिंदु इस बात की तरफ इशारा करते हैं कि सिविल सेवा परीक्षा के पैरामीटर्स और पैटर्न पूरी तरह दुरुस्त नहीं हैं। वास्तव में, समिति की रिपोर्ट से उभरे ये बिंदु कई सवालों को जन्म देते हैं।

-पहला, समिति कहती है कि पहले के सिविल सर्वेंट्स में कानूनी कौशल अधिक था तो क्या इसका यह मतलब हुआ कि यूपीएससी में किए गए बदलावों से पहले का परीक्षा पैटर्न बेहतर था?

-दूसरा, क्या इस लिहाज से यूपीएससी को अपने परीक्षा पैटर्न पर पुनर्विचार करना चाहिए?

-तीसरा, यूपीएससी ने वर्ष 2011 में जिस उद्देश्य को लेकर एप्टिट्यूड टेस्ट को शामिल किया था, क्या वह पूरा हुआ?

रिपोर्ट में सिविल सर्विसेज एक्जाम और सिविल सर्वेंट्स को लेकर कुछ बातें कही गई हैं। ये बातें न केवल उन सिविल सर्वेंट्स की मंशा पर सवालिया निशान लगाती हैं जो इंजीनियरिंग व मेडिकल बैकग्राउंड के हैं बल्कि यूपीएससी के परीक्षा पैटर्न को भी कठघरे में खड़ा करती हैं।

-चौथा, सीसैट अभ्यर्थी की एनालिटिकल स्किल, इंटरपर्सनल एबिलिटी, डिसिजन मेकिंग, एप्टिट्यूड, जनरल मेंटल एबिलिटी और रीजिनिंग एबिलिटी का स्तर जांचने के लिए था, तो क्या वास्तव में ऐसा हो पा रहा है?

-पांचवां, वर्तमान एक्जाम पैटर्न में नॉन-इंग्लिश, नॉन-अर्बन और नॉन-टेक्निकल भारत कहां खड़ा है?

समिति के अनुसार, इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के अभ्यर्थियों का चयन वर्ष 2011 के 46 प्रतिशत से बढ़कर 2020 में 65 प्रतिशत पर पहुंच गया। ह्यूमैनिटी से चयन इसी अंतराल में 27 प्रतिशत घटकर 23 प्रतिशत पर आ गया। 2020 की ही बात करें तो इस वर्ष में चयनित कुल 833 अभ्यर्थियों में से 541(65 प्रतिशत) इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के हैं, 33(4 प्रतिशत) मेडिकल के और 193(23 प्रतिशत) ह्यूमैनिटी के, जबकि 66 (8 प्रतिशत) अन्य बैकग्राउंड के।

यदि यूपीएससी के प्रश्नपत्रों का गहराई से अध्ययन किया जाए तो इस निष्कर्ष तक पहुंचने में कठिनाई नहीं होगी कि एक्जामिनेशन पैटर्न अंग्रेजी माध्यम और टेक्निकल स्ट्रीम वालों के लिए फेवरेबल है। तीन चरणों में संपन्न होने वाले इस एक्जाम में पहला प्रिलिमनरी है, जिसमें वर्ष 2011 में सीसैट यानी सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट जोड़ दिया गया। सचाई यह है कि यूपीएससी अभ्यर्थी की एनालिटिकल स्किल, इंटरपर्सनल एबिलिटी, डिसिजन मेकिंग और एप्टिट्यूड पर फोकस करने के बजाय मैथ्स और रीजनिंग पर फोकस अधिक करता है। वास्तव में, यह नॉन-इंग्लिश, नॉन-अर्बन और नॉन-टेक्निकल छात्रों के अनुकूल नहीं है। इससे नॉन-टेक्निकल बैकग्राउंड वाले अभ्यर्थी स्क्रीनिंग राउंड में ही बाहर हो जाते हैं। उन्हें मुख्य परीक्षा देने का अवसर ही नहीं मिल पाता जबकि उनकी विषय की जानकारी और अभिव्यक्ति की क्षमता टेक्निकल स्ट्रीम वालों से कम नहीं होती। कुछ और पहलू गौर करने लायक हैं।

-एप्टिट्यूड टेस्ट में कॉम्प्रिहेंशन एक महत्वपूर्ण पार्ट है, जिसमें 30 से 35 प्रश्न आते हैं।

-कॉम्प्रिहेंशन से जुड़े पैराग्राफ मूलत: अंग्रेजी भाषा में बनाए जाते हैं।

-हिंदी एवं अन्य भाषाओं के अभ्यर्थियों के लिए इनका अनुवाद किया जाता है। यह 'भावानुवाद' नहीं होता है बल्कि गूगल ट्रांसलेशन जैसा होता है।

-अनुवाद के बाद उपजे शब्द अनर्थकारी होते हैं। यह चीज हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों के लिए दिल्ली दूर बना देती हैं। मिसाल के तौर पर एक पेपर में 'स्टील प्लांट' का अनुवाद 'स्टील पौधा' किया गया, 'पीसी टैब्लेट' का अनुवाद 'पीसी गोली' किया गया। यह किस तरह की बौद्धिक क्षमता का परीक्षण है?

यदि मुख्य परीक्षा की बात करें तो वहां क्वेश्चन पेपर अच्छे होते हैं जिनमें स्टैटिक और डायनैमिक पार्ट, दोनों ही होते हैं। लेकिन वहां एक्जामिनर अंग्रेजी माध्यम का होता है और उत्तर का मॉडल भी अंग्रेजी भाषा का।

कौन करे मूल्यांकन

सवाल यह है कि अगर हिंदी माध्यम का एक्जामिनर अंग्रेजी माध्यम की कॉपी का मूल्यांकन नहीं कर सकता तो फिर अंग्रेजी माध्यम वाला हिंदी माध्यम की कॉपी का मूल्यांकन कैसे कर सकता है? हिंदी की शब्दावली, अभिव्यक्ति, विश्लेषण और बात कहने का तरीका अंग्रेजी से जुदा होता है।

इस तरह के व्यवहार और मानदंड को लेकर सवाल केवल हिन्दी माध्यम वालों का नहीं है बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं की ओर से भी हो रहे हैं और विभिन्न स्ट्रीम्स के अभ्यर्थियों की ओर से भी। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आज जब भारत 'थिंक बिग, ड्रीम बिग, एक्ट बिग' के सिद्धांत को अपनाते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा है तो यूपीएससी संकीर्ण नजरिया लेकर क्यों चलना चाहता है?

क्या चाहते हैं पहाड़

सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सोमवार को ठीक ही कहा कि देश के हिल स्टेशनों की कैरीइंग कपैसिटी का मूल्यांकन बड़ा मसला है। अदालत ने संकेत दिया है कि अगले हफ्ते वह पहाड़ी राज्यों में इस तरह के मूल्यांकन के काम को आगे बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित कर सकती है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब पिछले करीब दो हफ्तों से मॉनसूनी बारिश दो पहाड़ी राज्यों- उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश- में कहर बरपा रही है। भूस्खलन के दिल दहला देने वाले दृश्य सामने आए हैं। कई जगहों से बड़ी-बड़ी बिल्डिंगें गिरने, रोड और दूसरे इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षतिग्रस्त होने की खबरें आई हैं। इन घटनाओं में दोनों राज्यों में अब तक 103 लोग मारे जा चुके हैं। जाहिर है, इन घटनाओं की रोशनी में इस मसले की अहमियत काफी बढ़ गई है। लेकिन तथ्य यह है कि वहां हालात काफी पहले से खराब हो रहे थे। खासतौर पर जोशीमठ में जमीन धंसने से कुछ समय पहले ही काफी लोगों को विस्थापित होना पड़ा था। खैर, ग्रीन ट्राइब्यूनल्स और अलग-अलग अदालतों के सामने अलग-अलग रूपों में यह मसला पहुंचता रहा है। इसी याचिका की सुनवाई

के दौरान केंद्र सरकार ने बताया कि एक अन्य मामले में उत्तराखंड के अलमोड़ा स्थित जीबी पंत नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हिमालयन एन्वायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट ने हिल स्टेशनों की कैरीइंग कपैसिटी के मूल्यांकन को लेकर दिशानिर्देश तैयार किए थे, जिन्हें 2020 में सुप्रीम कोर्ट में सबमिट किया जा चुका है।

हालांकि बेंच ने साफ किया कि इस तरह के मूल्यांकन का काम किसी एक संस्थान पर नहीं छोड़ा जा सकता। निश्चित रूप से देश के प्रमुख संस्थानों से इस क्षेत्र के जाने-माने विशेषज्ञों की देखरेख में ही यह काम होना चाहिए ताकि इस पर तात्कालिकता का प्रभाव एक हद से ज्यादा न हो। हालांकि तात्कालिक घटनाएं बताती हैं कि बरसों से इस संवेदनशील मुद्दे की अनदेखी होती रही है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का इस पर ध्यान देते हुए आवश्यक पहल करना काफी मायने रखता है। लेकिन यह बात भी नहीं भुलाई जा सकती कि पहाड़ की आबोहवा, जलवायु और भौगोलिक बनावट के साथ छेड़छाड़ का सिर्फ एक पहलू नहीं है। टूरिस्टों की बढ़ी हुई संख्या को नियंत्रित करना जरूरी है, लेकिन इन क्षेत्रों के विकास के ढांचे का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस पर संपूर्णता में केंद्र और राज्य सरकारों को ही सोचना और फैसला करना है। यह काम विशेषज्ञों की कोई एक समिति गठित कर देने या उसकी सिफारिशें आ जाने भर से नहीं होता। यह सुनिश्चित करना ज्यादा जरूरी है कि ऐसे सिफारिशें पहले की अन्य विशेषज्ञ समितियों की रिपोर्टों की तरह धूल खाती पड़ी न रह जाएं। अगर सुप्रीम कोर्ट की पहल सरकारों को पहाड़ी क्षेत्रों की खास बनावट और उनकी विशिष्ट जरूरतों के प्रति ज्यादा संवेदनशील बना सके तो यह एक बड़ी उपलब्धि होगी।

जरूरतों का मायाजाल

बड़ी उम्र के लोगों से बातचीत में मुझे हमेशा रस आता रहा है। उनके अनुभवों की सीढ़ी पर चढ़कर अपने अनुभवों की परख करना थोड़ा आसान लगता है। तरह-तरह के लोगों के तरह-तरह के अनुभव जानने को मिलते हैं। कोशिश रहती है कि समझूं कि उनके लिए जिंदगी है क्या। खासतौर से उनके लिए, जो जीवन के आखिरी पड़ाव में होते हैं। उनके अनुभवों में गोते लगाता हूं तो एक बात अक्सर सामने आती है, और वह है मलाल। सबको कोई न कोई मलाल होता है कि ये कर लिया होता तो ज्यादा अच्छा था और ये न किया होता तो ज्यादा सही था।

हर इंसान को एक उम्र मिली है। कहने को यह सीमित है, लेकिन साथ में इच्छाएं न होतीं तो यही उम्र पहाड़ जैसी हो जाती। काटनी बहुत मुश्किल होती। इच्छाओं की खासियत ये है कि एक पूरी होती है तो उसी से नई पैदा हो जाती है। फिर उसे पूरा करने में मन रमा रहता है। उसके पूरा होते ही नई जन्म ले लेती है। इस तरह जीवन इच्छाएं पूरी करने में कट जाता है। तब

उम्र के आखिरी हिस्से में खड़ा आदमी पीछे देखता है, तो उसे लगता है कि उसकी वर्तमान इच्छाओं के सामने वे इच्छाएं तो कुछ भी नहीं थीं, जो पूरी हो चुकी हैं। उसका यही विश्लेषण मलाल बन जाता है। वह यह नहीं सोचता कि उस समय वही उसकी प्रायोरिटी थी।

इस पेचीदगी को सुलझाने में अध्यात्म बहुत मदद करता है। लेकिन फिलहाल इसके मनोवैज्ञानिक पहलू पर बात करते हैं। एक अमेरिकी साइकॉलजिस्ट हुए अब्राहम मैस्लो। 1943 में उन्होंने हायआर्की ऑफ नीड्स का सिद्धांत दिया। इंसान की जरूरतों को प्रायोरिटी वाइज पिरामिड की शक्ल में रखा गया। इसके पहले तल पर उसने शारीरिक जरूरतों जैसे खाना, पानी, कपड़े, नींद, मकान, वगैरह को रखा। मैस्लो का कहना था कि जब तक ये जरूरतें पूरी नहीं होतीं, आदमी किसी और जरूरत के बारे में व्याकुल नहीं होता।

दूसरे नंबर पर हैं सुरक्षा की जरूरतें। यानी जो पहली जरूरतें हैं, उन्हें न खोने की जद्दोजहद। तीसरे नंबर पर प्यार और अपनत्व। दोस्ती, परिवार, सेक्सुअल इंटीमेसी ये सब इसमें आती हैं। चौथा तल आत्म-सम्मान का। यहां आत्म-विश्वास, उपलब्धियां, दूसरों से मान-सम्मान पाने जैसी जरूरतें रहती हैं। और आखिरी तल पर आत्म-बोध। सब जरूरतें पूरी होने के बाद वह आत्मा के गुणों, नैतिकता, रचनात्मकता और तथ्यों को खुले मन से स्वीकारने पर ध्यान देता है। मैस्लो ने कहा कि एक तल पाने के बाद ही इंसान दूसरे तल की तरफ बढ़ता है। हालांकि इस सिद्धांत की यह कहकर खूब आलोचना होती है कि इसके पीछे कोई सिस्टेमैटिक रिसर्च नहीं है।

एक शेर है: फितूर होता है हर उम्र में जुदा। खिलौने, माशूका, रुतबा और खुदा। इसे आप कितना मानते हैं, यह आप पर है। लेकिन मेरी समझ में इच्छाओं के भ्रम जाल से निपटने का उपयोगी हथियार है संतोष। इससे इच्छाओं से उपजी व्याकुलता कम हो जाती है।

दैनिक पंचांग

30 अगस्त 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.03 बजे से
चंद्र	मकर में	तुला	09.13 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.28 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.44 बजे से
गुरु	मेष में	मकर	15.49 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.36 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	19.09 बजे से
राहु	मेष में	मेष	20.39 बजे से
केतु	तुला में	वृष	22.19 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मिथुन	00.17 बजे से
		कर्क	02.31 बजे से
		सिंह	04.47 बजे से

बुधवार 2023 वर्ष का 242 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 10.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 20.47 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 21.32 बजे को समाप्त।
करण वणिज 10.59 बजे तदनन्तर विष्टि 21.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 13.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 09° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871721
जूलियन दिन 2460186.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1445
महीना सफर **तारीख** 13
विशेष रक्षा बंधन, पूर्णिमा उपवास, हयग्रीव जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 30 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-3-5-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। स्वास्थ्य नरम होगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-6-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-1-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य ती यू): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। कर्ज देने से बचें। शुभांक-4-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। एकाकी वृत्ति त्यागें। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। धार्मिक यात्रा का योग। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-4-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-5-7

प्रसंगत: स्वाभिमान

एक बार अलवर के राजा ने अपना कहानी-उपन्यास पढ़ने का शौक पूरा करने के लिए प्रेमचंद को चार सौ रुपये मासिक वेतन पर नियुक्ति के लिए बुलाया। साथ ही बंगला और मोटर देने को भी कहा। प्रेमचंद ने राजा साहब को जवाब लिख भेजा- ''क्षमा कीजिए। इतनी ही क्या कम कृपा की। बात यह है कि आप मेरी कहानियाँ और उपन्यास चाव से पढ़ते हैं, मैं इससे बहुत संतुष्ट हूँ।'' प्रेमचंद का स्वाभिमान भला किसी राजा की गुलामी स्वीकार कर सकता था? कदाचित् नहीं, लेकिन कुछ मनोविनोद के लिए उन्होंने अपनी पत्नी शिवरानी से कहा- ''मेरी इच्छा है कि चलो, कुछ दिन मोटर-बंगले का शौक तो पूरा कर लूँ। मेरी कमाई में इसकी गुंजाइश नहीं।''

शिवरानी देवी बड़ी समझदार थीं, तुरन्त जवाब दिया- ''यह इसी तरह हुआ, जिस तरह कोई कुलवधू अपनी शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कुमार्ग पर चल पड़े। लेकिन जिसने मजदूरी करना अपना उद्देश्य बना लिया हो, उनके लिए मोटर-बंगले की इच्छा कैसी?''

RNI Title Code - J

प्यार का मतलब बहुत सारे नुक्ते

प्यार एक अद्भत अनुभव है, खुद के खास होने का एहसास है, लेकिन इसमें गड़बड़ तब शुरू हो जाती है, जब प्यार में अधिकार भाव तो होता है, लेकिन स्वतंत्रता नहीं होती, सम्मान, परवाह, आपसी समझ, एक-दूसरे पर विश्वास और संवेदनशीलता नहीं होती।

सृष्टि को परिवार से प्यार तो मिलता है, लेकिन उसके मीठे और सुरीले गले को लेकर परिवार भर में पसरी उदासीनता उसके मन में बार-बार ये सवाल उठाती है कि आखिर प्यार है क्या ? अरुंधति से उसका पति हर वक्त इस तरह से बात करता है कि तीसरे व्यक्ति को ये एहसास होता है कि वो अरुंधति को बुरी तरह से डाँट रहा है, जबकि वो कहती है कि उसके पति उससे प्यार करते हैं। फिर सवाल उठता है कि क्या प्यार में सम्मान, गर्व भाव, सराहना और समझ जैसी बारीक चीजें शामिल नहीं होती है क्या ?

क्या सिर्फ ये जताना कि कोई आपको प्यार करता है, यह प्यार है या कि आपके हर अच्छे-बुरे पर गौर करे, ठीक करे, सराहे और बेहतर करने की कोशिश करे वो प्यार है!

प्यार एक बेहद खुशनुमा एहसास है। हममें से हरेक किसी की पसंद होना, किसी के द्वारा प्यार किया जाना, पसंद करेगा। चाहेगा कि कोई हमें प्यार करे, वैसे यह किस्मत की बात है कि प्यार मिले। प्यार एक अद्भुत अनुभव है, खुद के खास होने का एहसास है, लेकिन इसमें गड़बड़ तब शुरू हो जाती है, जब प्यार में अधिकार भाव तो होता है, लेकिन स्वतंत्रता नहीं होती, सम्मान, परवाह, आपसी समझ, एक दूसरे पर ये सभी भावनाएँ व्यक्ति के व्यक्तित्व से जुड़ी होती हैं और इंसान प्यार के साथ ये सब भी चाहता है, बल्कि ये सब व्यक्ति के जीवन और उसके व्यक्तित्व को सँवारती है। उसमें सपने देखने, उन्हें पूरा करने, कुछ नया रचने यहाँ तक कि जहान से लड़ने की इच्छा और कुव्वत पैदा करते हैं।

जब बच्चा समझना भी शुरू नहीं करता है, तब भी वो सम्मान-अपमान के भाव को महसूस करता है। यदि आप उसे डाँटेंगे तो वो रोएगा। वो प्यार भी समझता है, परवाह और सम्मान भी। उसी तरह रिश्ता चाहे जो हो, रिश्ते में यदि विश्वास, सम्मान, स्वतंत्रता और समझ जैसी बुनियादी चीजों नहीं होंगी तो एक समय के बाद उसमें से सड़ाँध आने लगेगी। जब हम किसी से प्यार करते हैं तो यह मान लेते हैं कि सिर्फ यही रिश्तों के लिए जरूरी खाद-पानी है, जबकि हकीकत इसके उलट है। प्यार पहली सीढ़ी है और रिश्तों की सफलता शिखर है। इसके बीच कई सारी सीढ़ियाँ हैं, जिन्हें पार करके ही एक रिश्ते को सफल बनाया जा सकता है।

सिर्फ प्यार के सहारे रिश्तों को बनाने और बचाने की कवायदें कई बार उन्हें ज्यादा कड़वा कर देती हैं, क्योंकि प्यार के बारे में कहा जाता है कि वो प्रिय को वस्तु की तरह बनाना और देखना चाहता है, जबकि

यहाँ मामला एक पूरे व्यक्ति का होता है और एक व्यक्ति को अपने रिश्ते में प्यार, अपनापन, केयर, विश्वास, और आपसी समझ की भी जरूरत होती है। प्यार का मतलब सुरक्षा का, अपने पंख फैलाकर उड़ने और सपने देखने की स्वतंत्रता का, एक-दूसरे की आँखों में देखने और पाने का आश्वासन है। प्यार वो परिपूर्णता है, जो एक व्यक्ति को जहनी तौर पर ही नहीं, बल्कि भौतिक और सामाजिक तौर पर भी खास, विशिष्ट महसूस कराए।

बालों को स्वस्थ रखे मसाज

बालों का झड़ना, बालों में डेन्ड्रफहोना, बालों का बेजान होना अब आम समस्या हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे, चमकदार और मजबूत बालों के लिए टीवी में आ रहे विज्ञापनों की तरफ देखने की बजाए बेहतर है कि आप नियमित अपने बालों की चम्पी यानी मसाज करें। दरअसल बालों की मजबूती के लिए सबसे जरूरी है कि आपके सिर की त्वचा स्वस्थ हो, बालों में डेन्ड्रफन हो, सिर हमेशा साफरहे और नियमित बालों को पौष्टिक तत्व मिलते रहें। इन सबके लिए अनिवार्य है कि आप नियमित तेल लगाते रहें।

स्वस्थ बालों के लिए जरूरी है कि सही तरीके से मसाज की जाए। बालों में तेल लगाते वक्त अँगुलियों का मूवमेंट महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मसाज करते समय अँगुलियों में प्रेशर दें और पूरे सिर की त्वचा में रोटेट करें। बालों की मजबूती सिर की त्वचा में सही तरीके से हो रहे रक्तसंचार पर निर्भर करती है। आपको मसाज करते वक्त अतिरिक्त तेल लगाने की आवश्यकता नहीं है। अक्सर देखा गया है कि जो महिलाएँ सत्ताह में एक दिन तेल लगाती हैं, वे बालों को पूरी तरह तेल में डुबो देती हैं। सिर की त्वचा जितना तेल सोख सके उतना ही काफी है। अतिरिक्त तेल लगाने से आपको ज्यादा शैम्पू का इस्तेमाल करना पड़ेगा और ज्यादा शैम्पू लगाना बालों के लिए हानिकारक होता है। शैम्पू में केमिकल्स मिले होते हैं जो तात्कालिक रूप से बालों को सिल्की और चमकदार बना देते हैं। लेकिन अंततः बालों को नुकसान पहुँचाते हैं। मसाज करने के बाद गरम पानी में तौलिए को निचोड़कर बालों से लपेट लें। इससे सिर की त्वचा के रोमछिद्र खुल जाते हैं तथा बाल चमकदार बनते हैं।

नायिका पार्लर

बालों के लिए आमतौर पर सबसे बेहतर नारियल का तेल होता है जो कि बाजार में बहुत आसानी से मिल जाता है। इसके अलावा बादाम व तिल का तेल भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यदि आप नियमित हेयर कलर कराती हैं तो आपके लिए जोजोबा तेल बेहतर विकल्प है। इससे क्षतिग्रस्त, रंगीन व रूखे बालों को रिपेयर किया जा सकता है।

याद रहे कि जैतून या अरंडी के तेल का बालों में इस्तेमाल न करें। आप आयुर्वेदिक तेल भी उपयोग में ला सकती हैं। तेल के अलवा भी कुछ विकल्प मौजूद है, मसलन नारियल का दूध बालों की मसाज की जा सकती है। नारियल का दूध बालों के लिए उतना ही कारगर है जितना कि उसका तेल।

अक्सर देखा गया है कि जो महिलाएँ सत्ताह में एक दिन तेल लगाती हैं, वे बालों को पूरी तरह तेल में डुबो देती हैं। सिर की त्वचा जितना तेल सोख सके उतना ही काफी है। अतिरिक्त तेल लगाने से आपको ज्यादा शैम्पू का इस्तेमाल करना पड़ेगा और ज्यादा शैम्पू लगाना बालों के लिए हानिकारक होता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बालों को घना, चमकदार और स्वस्थ रखने के लिए तनाव से बचें। तनाव बालों को बुरी तरह प्रभावित करता है। अतः बालों की खूबसूरती के लिए मसाज करने के साथ तनावमुक्त रहना भी जरूरी है।

मूंगफली-मखाना सब्जी

सामग्रीः

100 ग्राम मूंगफली, 50 ग्राम मखाने, एक बड़ा चम्मच प्याज की पेस्ट, आधा चम्मच अदरक- लहसुन पेस्ट, 2 बड़े चम्मच टमाटर पेस्ट, आधा चम्मच धनिया व जीरा पाऊडर, 1 चम्मच इलायची दाना, थोड़ी-सी हल्दी व गर्म मसाला, लाल मिर्च व नमक स्वदानुसार, आधा बड़ा चम्मच किशमिश व एक बड़ा चम्मच तेल।

विधि :

मूंगफली को एक कप पानी में उबाल लें व छिलका उतार कर रख दें। इलायची दरदरी पीस लें। पैन में तेल गर्म करें व मखाने तल कर निकाल लें। इसी तेल में प्याज व अदरक-लहसुन के पेस्ट को भून लें व टमाटर प्यूरी डालें। भुन जाने पर हल्दी, नमक व धनिया-जीरा पाऊडर डालें। मसाला तेल छोड़ने लगे तो मूंगफली, मखाने व किशमिश डाल कर दो मिनट तक भूनें और एक कप पानी डालकर डाल पकाएं, गैस धीमी रखें। कटे हरे धनिया व गर्म मसाले से गार्निश करें।

हेल्थ प्लस

इनसे बचें गर्भवस्था के दौरान

ऊँची एड़ी के फुटवेयर

गर्भवती महिला को आरामदायक जूते पहनने चाहिए क्योंकि इस दौरान उसका वज़न बढ़ने के साथ ही कई-शारीरिक परिवर्तन होते हैं। सेंटर ऑफ ग्रेविटी शिफ्ट-हो जाती है-जिससे संतुलन बनाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे में ऊँची एड़ी के फुटवेयर पहनने से चलते-फिरते हुए संतुलन खोने की आशंका बढ़ जाती है। इनसे पैरों का दर्द बढ़ सकता है।-

अत्यधिक मात्रा में चाय-काफी का सेवन

दिन में एक-दो बार लाइट चाय या काफी ले सकते हैं लेकिन ज्यादा मात्रा में लें तो ये नुकसानदायक होती है। चाय में टैनिन और कॉफी में कैफीन नामक तत्व मौजूद होते हैं।-इनके कारण ये पेय मूत्रवर्धक होते हैं। इसके अलावा कॉफी से रक्तचाप और दिल की धड़कन दोनों ही बढ़-जाते हैं, जो गर्भावस्था में खतरनाक होता है।-

सिगरेटः

गर्भवती महिला को सिगरेट और धूम्रपान करने वाले लोगों से ही दूर रहना चाहिए। धूम्रपान किसी भी व्यक्ति के लिए नुकसानदेह होता है, गर्भस्थ शिशु के लिए तो इसके अनगिनत नुकसान हैं।-इसके बावजूद भी हज़ारों गर्भवती महिलाएँ बीड़ी-सिगरेट के धुएँ से बच नहीं पाती। इस धुएँ की वजह से गर्भपात, समय से पहले जन्म या शिशु का वजन कम होने जैसी परेशानियाँ हो सकती हैं।

बिना पूछे दवाईयाँ लेना :

कई लोग सर्दी-जुकाम या एलर्जी सिर दर्द, बदन दर्द आदि समस्याओं के लिए चिकित्सक से बिना पूछे ही दवाई ले लेते हैं। गर्भस्थ शिशु के लिए इससे खतरा पैदा हो सकता है। कोई भी दवा मर्ज पर असर करने के साथ ही शरीर पर कुछ दुष्प्रभाव भी छोड़ती है। इसलिए गर्भावस्था में चिकित्सक से पूछे बिना दवा लेना खतरनाक होता है। गर्भवती महिला को विशेषकर अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ से कोई भी दवा लेने से पहले सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

शरीर का तापमान

अत्यधिक ठंडे और गर्म वातावरण से बचें। अत्यधिक थका देने वाले कामों से बचना चाहिए क्योंकि इससे शरीर क तापमान बढ़ सकता है यानी बुखार आ सकता है। शरीर का तापमान बढ़ना या घटना दोनों ही स्थितियाँ गर्भवती व गर्भस्थ शिशु के लिए नुकसानकारी होती हैं।

जंक फूडः

जंक फूड में नमक-शकर आदि अधिक मात्रा में होते हैं, इसके अलवा प्रिजरवेटिव आदि कैमिकल्स भी मौजूद हो सकते हैं। गर्भवस्था में पोषक तत्वों से भरपूर ताजा भोजन लेना चाहिए। जंक फूड में ये तत्व न के बराबर होते हैं। साथ ही डब्बाबंद खाने से भी दूर रहना चाहिए।

एलर्जनः किसी प्रकार की एलर्जी हो तो उसके कारक से जहाँ तक संभव हो दूर रहें। गर्भवस्था में पालतू जानवरों से भी दूरी बना लेना बेहतर होता है। यदि घर में जानवर पाले हों तो इस दौरान इनकी देखभाल की जिम्मेदारी किसी और को सौंप दें।

दाँतों में लगता है ठंडा गरम...

दाँतों में ठंडा गरम लगना एक बहुत आम समस्या है। हाजमा दुरुस्त नहीं रहने के कारण एसिडिटी इसकी एक बड़ी वजह है। बहुत अधिक एसिडिटी हो जाने पर पेट का एसिड खट्टे पानी के रूप में मुँह में आता रहता है। कैल्शियम से बने दाँत की परत एसिड के संपर्क में आने से गलने लगती है। दाँत का सुरक्षा कवच गलकर निकल जाने से ही दाँतों में ठंडा या गरम महसूस होता है।

खाने-पीने की खराब आदतों एवं बढ़ते तनाव की वजह से एसिडिटी बढ़ती चली जा रही है। साथ ही सवाल उठता है कि दाँत में ऐसा क्या हो जाता है कि उसे ठंडा पानी बर्दाश्त नहीं होने लगता है। दाँत के भीतर के संवेदनशील भागों की रक्षा के लिए सबसे ऊपर एक परत होती है जिसे एनेमेल कहते हैं। लेकिन हमारी विभिन्न बुरी आदतों की वजह से वह परत पतली होती चली जाती है। एनेमेल के भीतर की परत को डेंटीन कहते हैं। डेंटीन तक तो ठीक है लेकिन जैसे ही डेंटीन की परत घिस जाती है तो पल्प आ जाता है जिसके भीतर नर्व (तंत्रिका) होता है। जब डेंटीन का आवरण भी घिस कर खत्म हो जाता है तो फिर नर्व के पानी के संपर्क में आने से इसमें दर्द होने लगता है। खाने, पीने, चबाने की अपनी खराब आदतों से दाँत की रक्षा के लिए बनी ऊपरी परत को नुकसान पहुँचाने वालों के लिए भारी कष्ट का मौसम आ गया है। जाड़े में इन 'नंग' हुए दाँतों को जो ठंड लगती है, उसके दर्द से पूरा शरीर सिहर उठता है। सुबह उठते ही ठंडे पानी से कुल्ला करते ही दाँत में दर्द होने लगता है।

दाँतों के लिए ऊपरी परत समझिए एक 'स्वेटर' की तरह ही है। कोल्ड ड्रिंक्स भी इस समस्या की वजह बन रही है। कोल्ड ड्रिंक्स (सभी एयरेटेड ड्रिंक्स) में भी अम्ल होता है। वह भी एनेमेल को एसिडिटी की तरह ही नुकसान पहुँचाता है। आज कल छोटे-छोटे बच्चे इस समस्या के साथ आने लगे हैं। नींबू और संतरे के रस भी एनेमेल को नुकसान पहुँचाते हैं, लेकिन उतना नहीं। सुपारी खाने की आदत से भी दाँत घिस जाते हैं। बहुत लोग होते हैं जो दिन भर सुपारी चबाते रहते हैं। इससे एनेमेल घिस जाता है। बहुत पान खाने वाले जब पान खाना छोड़ देते हैं तो उनको दाँतों में ठंडा लगने लगता है।

कई तरह से लगती है सुरक्षा कवच में सेंध

दरअसल होता यह है कि पान के साथ सुपारी चबाते रहने से उनका नर्व तो बाहर निकल आता है। लेकिन कत्थे की परत पानी से नर्व को बचाती रहती है। पान खाना छोड़ते ही पानी सीधे नर्व के संपर्क में आ जाता है। कुछ लोगों को नींद में दाँत किटकिटाने की आदत होती है। इससे भी एनेमेल झड़ता है। हमेशा च्यूंगम चबाते रहने, पेंसिल चबाते रहने से जैसी आदतें भी एनेमेल को क्षति पहुँचती हैं। सबसे पहले एनेमेल घिसने के कारणों पर रोकथाम लगाएँ। दवायुक्त टूथपेस्ट का प्रयोग करने से 60 प्रतिशत लोंगों की यह समस्या इससे ही खत्म हो जाती है। माउथवॉश भी फायदा करता है। डेंटीन के बाहर आ जाने पर फिलिंग कराना जरूरी होता है। लेकिन जब डेंटीन की परत भी खत्म हो कर नर्व बाहर आ जाता है तो रूट कैनल नामक इलाज कराना पड़ता है।

इसे भी आजमाइएँ...

- विशेष टूथपेस्ट-: संवेदनशील दाँतों के लिए विशेष टूथपेस्ट उपलब्ध हैं।-साधारण टूथपेस्ट के बजाय इनका उपयोग करें। व्हाइटनरयुक्त टूथपेस्ट का उपयोग नहीं करें, यह दाँतों पर कठोरता से काम करते हैं। इनसे तकलीफ बढ़ जाती है।-
- ब्रश हो नरम :-सॉफ्ट या एक्स्ट्रा सॉफ्ट ब्रश का ही उपयोग करें।-कड़क ब्रिसल्स से दाँत घिसने लगते हैं। दाँत संवेदनशील होने पर अक्सर लोगों को ब्रश करते हुए दर्द उठता है। कड़क ब्रिसल्स प्राकृतिक रूप से होने वाली मरम्मत के काम में भी अवरोध पैदा करते हैं।-दातों पर हल्के से ऊपर-नीचे ब्रश करें। ब्रश करने का तरीका ग़लत होने पर भी संवेदनज़्विशेष बढ़ जाती है।

खाना हो सामान्य तापमान पर

अधिक टंडे या गर्म चीजों खाना पूरी तरह बंद कर दें। टंडी और गर्म दोनों ही प्रकार की चीजें संवेदनशील दाँत सहन नहीं कर पाते। इसलिए यह सुनिश्चित कर लें कि आप जो भी खाएँ वह सामान्य तापमान पर हो।

नमक के पानी से कुल्ला करना दाँत का दर्द दूर करने का एक आम उपाय है लेकिन संवदनशील दाँतों में जो दर्द होता है उस पर यह असरकारी नहीं होता। उल्टा इससे दर्द और बढ़ सकता है।

एसिडिक चीजों से बचें : मिठाईयाँ, नीबू, टमाटर,सॉफ्ट ड्रिंक व ऐसे अन्य अम्लीय चीजों न लें। यह दाँतों को हुए नुकसान को और बढ़ा देते हैं।

मधुमेह रोगियों के लिए घातक है हाइपोग्लायसीमिया

आमतौर पर इसे खाली पेट 110 के नीचे और भरे पेट 140 से नीचे रखते हैं, यह एक आदार्श स्थिति होती है। चिकित्सक भी मरीज को यही सलाह देते हैं तथा दवाइयाँ इसी तरह से एडजस्ट की जाती हैं कि मरीज का शुगर लेवल सामान्य रहे। कभी-कभी या तो दवाओं के ओवर डोज की वजह से या मरीज के भूखे रहने या अत्यधिक मेहनत के कारण रक्त में शर्करा का स्तर कम हो जाता है। इस स्थिति को हायपोग्लायसीमिया कहते हैं। सामान्य व्यक्ति के रक्त में शकर का स्तर 50 के लगभग हो जाए तो भी सामान्या बना रहता है परंतु मधुमेह के मरीज के रक्त में शकर का स्तर 70-80 भी हो तो भी उसे लो शुगर के लक्षण महसूस होने लगते हैं जैसे

पसीना आना, बेचैनी होना एवं हाथ पैर काँपना।

दिल की धड़कन तेज हो जाना। कभी-कभी तो मिर्गी का दौरा भी आ सकता है या मरीज बेहोश हो सकता है। दिल पर इसका विपरीत असर हो सकता है।

रक्त में शर्करा का स्तर समान्य से कम होने पर शरीर में कुछ ऐसे हारमोन स्वावित होने पर हैं जो तुरंत उसे सामान्य स्थिति में लाने की कोशिश करते हैं। ये हारमोन हैं ग्लूकेगोन, कार्टिसोन, एड्रिनलिन, थायरॉइड आदि। इन्ही हारमोन की वजह से लो शुगर के लक्षण सामने आते हैं। ऐसी स्थिति में उसे तुरंत शकर या कोई मीठी चीज दे दें। इसके अलावा इन हारमोन का इंजेक्शन लगाने पर भी उसकी स्थिति सामान्य हो जाती है। इस स्थिति से बचने के लिए कुछ ऐसे उपाय जरूरी हैं जिससे कि शकर की मात्रा सामान्य बनी रहे।

- ♣ अपनी बीमारी का रिकॉर्ड रखें। सामान्य से ज्यादा मेहनत न करें।
- ♣ नियमित जीवनशैली। भोजन में बहुत ज्यादा गेप न दें। यदि इंसुलिन इंजेक्शन लेते हैं तो उसकी मात्रा नियमित करते रहनी चाहिए।
- ♣ कभी-कभी लोग पार्टी में जाकर वहाँ दवाई लेने के बजाय घर से ही दवाई ले लेते हैं या इंजेक्शन लगा लेते हैं। किसी वजह से अंतराल ज्यादा होने पर शुगर लो होने का खतरा रहता है। अतः व्यवहारिक निर्णय लें और अपनी दवाई उचित तरीके से ही लें।
- ♣ अपनी बीमारी के बारें में परिजनों, दोस्तों व साथ वालों को अवश्य बताएँ ताकि आपातकालीन स्थिति में उपचार तुरंत शुरू किया जा सके।

मधुमेह रोगियों के खून में आमतौर पर शकर सामान्य से ज्यादा रहती है। परिभाषा के अनुसार रक्त में खाली पेट शकर की मात्रा 126 से नीचे तथा खाना खाने के 2 घंटे बाद 200 से नीचे होना चाहिए।

ज्यादा शुगर तो खतरनाक है ही, कम शुगर भी उतनी ही खतरनाक स्थिति पैदा करती है। मधुमेह रेगीयों और उनके परिजनों को इससे बचने और निपटने के तरीकों की जानकारी होनी ही चाहिए।